दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 2 ■ अंक : 22

ग्वालियर, सोमवार 17 अक्टूबर 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

हवाई सेवाओं के विस्तार के साथ ग्वालियर-चंबल अंचल के उत्पाद विश्व भर में पहुँचेंगे: अमित शाह

ग्वालियर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि ग्वालियर में देश के अत्याधुनिक हवाई अड्डे के निर्माण से जहाँ हवाई सेवाओं का विस्तार होगा वहीं कार्गो टर्मिनल के निर्माण से पूरे विश्व में ग्वालियर एवं चंबल अंचल के लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योगों के उत्पादों का आयात - निर्यात हो सकेगा, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा इससे आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी और ग्वालियर-चंबल अंचल का तेजी से विकास होगा। श्री अमित शाह रविवार को ग्वालियर में राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयर टर्मिनल नवीन भवन व हवाई अड्डे के विस्तार कार्य का शिलान्यास, नल-जल योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के गृह प्रवेश समारोह को संबोधित कर रहे थे। लगभग 446 करोड़ रूपए की लागत से बनने जा रहे ग्वालियर के अत्याधुनिक एयर टर्मिनल व हवाई अड्डे के शिलान्यास एवं विकास कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की। समारोह में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और केन्द्रीय नागर विमानन व इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासीन थे। गृह मंत्री श्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित अन्य अतिथियों ने रिमोट से पट्टिका का अनावरण कर एयरपोर्ट विस्तार कार्य का शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ग्रामीण व शहरी आवास योजना के तहत ग्वालियर जिले के कुल 1458 हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया। साथ ही मंच से प्रतीक स्वरूप ग्राम जखारा निवासी श्री हरेन्द्र

सिंह भगौरिया व महलगाँव निवासी श्रीमती सीमा सक्सेना को आवास की चाबियाँ भी सौंपी। केन्द्रीय गृह मंत्री ने इस अवसर पर जल जीवन मिशन के तहत 4300 करोड़ रूपए लागत की नल-जल योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया। समारोह को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ग्वालियर के सुनियोजित विकास के लिये एयरपोर्ट के रूप में बड़ी सौगात दी है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बड़ी बारीकी से अत्याधुनिक हवाई अड्डे के निर्माण की रूपरेखा तैयार की है। हमें भरोसा है कि ग्वालियर का नया हवाई अड्डा देश के सबसे अच्छे हवाई अड्डे के रूप में यह स्थापित होगा। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चहुँमुखी विकास के साथ-साथ भारत का सांस्कृतिक उत्थान भी हो रहा है। देश में प्रधानमंत्री आवास के तहत हर गरीब के घर का सपना साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशा के अनुरूप तेज गति से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जरूरतमंदों के लिये घर बनवा रही है। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार ÷हर घर नल से जल÷ कार्यक्रम के तहत गरीब से गरीब के घर में नल से जल पहुँचाने के लिये पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि सड़क निर्माण की रफ्तार पहले से तीन गुने से भी ज्यादा हो गई है। इसी तरह पहले एक साल में मात्र 375 किलोमीटर रेल लाईन डल पाती थीं अब हर साल 1458 किलोमीटर रेल लाईन बिछाई जा रही हैं।

मध्यप्रदेश में आज का दिन स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा: मुख्यमंत्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में आज का दिन स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा। आज जहाँ प्रदेश में हिन्दी में मेडीकल की पढ़ाई शुरू करने की ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारी शुरूआत हुई हैं वहीं ग्वालियर में अत्याधुनिक एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के एयर टर्मिनल भवन व हवाई अड्डे के विस्तार की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने यह सौगातें देने के लिये पधारे केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के प्रति समूर्ण प्रदेशवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मेडीकल की पढ़ाई हिन्दी में शुरू होने से गरीब एवं निम्न मध्यम वर्ग के बच्चों की जिंदगी में नया सवेरा आयेगा। वहीं ग्वालियर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डे के निर्माण से विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने कहा एलीवेटेड रोड़ का निर्माण, एक हजार बिस्तर का अस्पताल, अंतर्राज्यीय बस स्टेण्ड, नवीन स्टोन पार्क, चंबल से ग्वालियर व मुरैना को पेयजल की आपूर्ति योजना सहित ग्वालियर को तमाम सौगातें मिल रही हैं। साथ ही प्रधानमंत्री ने हाल ही में ग्वालियर-चंबल अंचल के श्योपुर जिले के कूनो-पालपुर अभ्यारण्य को वीते सौपे है, जिससे मध्यप्रदेश अब टाइगर स्टेट के साथ-साथ चीता स्टेट भी हो गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इस अवसर पर यह भी कहा कि हाल ही में हुई अतिवृष्टि से जिन किसानों की फसलों को नुकसान पहुँचा है, उसका सर्वे कराकर राहत मुहैया कराई जायेगी। साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री के हर घर के सपने को मध्यप्रदेश पूरा करेगा और आगे आने वाले साल में प्रदेश में कोई भी गरीब बिना घर के नहीं रहेगा।

खास खबर

यूक्रेन के पास रूसी सेना के कैंप पर फायरिंग, 11 सैनिकों की मौत, 15 घायल

कीव। यूक्रेन के पास रूसी सैन्य फायरिंग रेंज में दो लोगों ने सैनिकों पर गोलीबारी की, जिसमें 11 लोग मारे गए और 15 घायल हो गए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि यह गोलीबारी शनिवार को दक्षिण-पश्चिमी रूस के बेलगोरोद क्षेत्र में हुई जो यूक्रेन की सीमा से लगता है। इस बयान के अनुसार, पूर्व सोवियत गणराज्य के दो अज्ञात लोगों ने लक्ष्य अभ्यास के दौरान स्वयंसेवी सैनिकों पर गोलीबारी की और जवाबी कार्रवाई में दोनों मारे गए। मंत्रालय ने इस घटना को आतंकवादी हमला बताया। यह गोलीबारी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन में रूसी सेना को मजबूत करने के लिए सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त आम नागरिकों की जल्द तैनाती किए जाने के आदेश के बीच हुई। राष्ट्रपति के इस आदेश के विरोध में रूस भर में प्रदर्शन शुरू हो गए और हजारों की संख्या में लोग देश छोड़ कर अन्यत्र चले गए। पुतिन ने कहा कि 2,22,000 से 3,00,000 सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त नागरिकों की सेना में तैनाती संबंधी आदेश पर अमल शुरू किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इनमें से 33,000 पहले ही सैन्य इकाइयों में शामिल हो चुके हैं जबकि 16,000 यूक्रेन में जारी सैन्य अभियान का हिस्सा बन चुके हैं। पुतिन द्वारा सितंबर में जारी इस आदेश के तहत 65 वर्ष से कम आयु के लगभग सभी पुरुष सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त नागरिकों के रूप में पंजीकृत हैं। इस फैसले पर आम जनता में नकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। राष्ट्रपति के इस आदेश के बाद हजारों लोग रूस छोड़कर पड़ोसी देशों में पलायन करने लगे। पूर्वी यूरोपीय देश यूक्रेन में फरवरी में रूस के हमले शुरू होने के बाद से दोनों ही देशों को गहरी सैन्य और नागरिक क्षति उठानी पड़ी है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का सेना के अस्पताल में किया गया मोतियाबिंद का ऑपरेशन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन रविवार को यहां सेना के रिसर्च एवं रेफरल अस्पताल में किया गया। राष्ट्रपति भवन के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कहा कि ऑपरेशन सफल रहा और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। बयान में कहा गया है, मुर्मू का आज मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया गया है। ऑपरेशन सफल रहा और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। 64 वर्षीय द्रौपदी मुर्मू ने 25 जुलाई, 2022 को भारत के 15वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी।

जन्म प्रमाण पत्र के साथ ही बन जाएगा नवजात का आधार कार्ड, शीघ्र पूरे देश में शुरू होगी यह सुविधा

नई दिल्ली। पैदा होते ही नवजात के जन्म प्रमाण-पत्र के साथ ही उनके आधार नंबर रजिस्ट्रेशन की सुविधा अगले कुछ महीनों में सभी राज्यों में उपलब्ध होने की उम्मीद है। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी। फिलहाल नवजात बच्चों के आधार पंजीयन की सुविधा 16 राज्यों में मिल रही है। यह प्रक्रिया एक वर्ष पहले शुरू हुई थी और इसमें धीरे-धीरे करके कई राज्य जुड़ते गए। बाकी राज्यों में भी इस दिशा में काम चल रहा है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) को उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में सभी राज्यों में यह सुविधा शुरू हो जाएगी। इससे उन लोगों को आसानी होगी जिनके घर में किसी बच्चे का जन्म हुआ हो। पांच साल की उम्र तक के बच्चों की बायोमेट्रिक जानकारी नहीं ली जाती है।

छोटे पर्दे की अदाकारा वैशाली ठक्कर का मिला शव, फांसी लगा आत्महत्या की, सुसाइड नोट बरामद

इंदौर। छोटे पर्दे की अभिनेत्री वैशाली ठक्कर का शव उनके घर में मिला है। कहा जा रहा है कि वैशाली ठक्कर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मध्य प्रदेश के इंदौर में अभिनेत्री वैशाली ठक्कर रह रही थीं, कहा जा रहा है कि वहीं पर उन्होंने सुसाइड किया है। वैशाली ठक्कर मशहूर टीवी धारावाहिक ये रिश्ता क्या कहलाता है में काम कर चुकी हैं।

इसके अलावा चर्चित धारावाहिक ससुराल सिमर का में भी वो नजर आ चुकी हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि पुलिस ने एक सुसाइड नोट बरामद किया है। मशहूर एक्ट्रेस की मौत ने सबको सन्न कर दिया है। वैशाली का शव फांसी के फंदे से लटकता हुआ मिलने के बाद तेजाजी नगर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि वैशाली करीब एक साल से इंदौर में रह रही थीं। अभी हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में वो %दिल जिगर नजर क्या है मैं तो तेरे लिए जान भी दे दूं% गाने को गुनगुनाती हुई नजर आई थीं। इस वीडियो में वो मुस्कुरा रही थीं और खुश नजर भी आ रही थीं। बता दें कि एक्ट्रेस अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर किया करती थीं।अब अचानक उनकी डेड बॉडी मिलने से अब सभी हैरत में हैं।

मोदी बोले- अब बैंक खुद चलकर गरीब के घर जाएंगे

देश को 75 डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स की पीएम ने दी सौगात

नई दिल्ली। देश के बैंकों में हो रहे तकनीकीकरण के चलते डिजिटल बैंकिंग ने खासी प्रगति की है। भारत में बैंकिंग सुविधाओं को देश के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने के मकसद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 75 डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स (डीबीयूएस) को लॉन्च कर दिया है। पीएम मोदी ने सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जम्मू कश्मीर की 2 डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स समेत देश के 75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स उद्घाटन किया। इस मौके पर पर पीएम मोदी ने कहा कि सभी देशवासियों को शुभकामनाएं, बैंकिंग सेक्टर और आरबीआई के सभी कर्मचारियों को बधाई देता हूं। डिजिटल बैंकिंग यूनिट आधुनिक भारत की दिशा में बढ़ता हुआ कदम है। ये सेवाएं कागजी, लिखा-पढ़ी और अन्य झंझटों से मुक्त होगी। ये डिजिटल बैंकिंग सेवाएं पहले से ज्यादा आसान होगी। गांव में शहर में, छोटे शहर में पैसे भेजने से लेकर लोन लेने तक सब कुछ आसान हो जाएगा। पीएम मोदी ने कहा, 'बैंकिंग व्यवस्था को सुधारना, मजबूत करना और उसमें पारदर्शिता लाना हमारा उद्देश्य है। लोगों का सशक्तिकरण हमारी सरकार का लक्ष्य है।' बैंक खुद चलकर गरीब के घर जाएंगे इसके लिए हमें बैंक और गरीबों के बीच की दूरी कम करनी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमने बैंकिंग सेवाओं को दूर-सुदूर में, घर-घर तक पहुंचाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। आज भारत के 99 फीसदी से ज्यादा गांवों में पांच किमी के अंदर कोई न कोई बैंक ब्रांच, बैंकिंग आउटलेट या बैंकिंग मित्र मौजूद है। भारतीयों के जीवन को आसान बनाने का जो अभियान देश में चल रहा है, डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स उस दिशा में एक और बड़ा कदम है। ये ऐसी विशेष बैंकिंग व्यवस्था है, जो मिनिमम डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर से मैक्सिमम सेवाएं देने का काम करेगी। डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स के शुरू होने से अब सेविंग अकाउंट खोलने, पासबुक प्रिंट करने, विभिन्न बैंक योजनाओं निवेश करने और लोन के लिए आपको बैंक जाने की जरूरत नहीं होगी।

हासन में बस और दूध टैंकर के बीच पिस कर चकनाचूर हुआ टेम्पो, मंदिर से लौट रहे 9 श्रद्धालुओं की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक के हासन जिले में एक सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि हादसे का शिकार होने वाले लोग धर्मस्थल सुब्रमण्या-हसनम्बा मंदिरों के दर्शन कर घर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार रास्ते में अर्सीकेरे तालुका में गांधीनगर के पास कर्नाटक राज्य सड़क परिवाहन निगम (केएसआरटीसी) की बस ने श्रद्धालुओं से भरे टेंपो को टक्कर मार दी। इसके बाद टेम्पो चालक ने अपने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और विपरीत दिशा से आ रहे दूध के टैंकर से जा टकराया। परिणामस्वरूप टेम्पो बस और टैंकर के बीच कुचल गया। इस हादसे में छह लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि तीन लोगों की सांसे अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उखड़ गईं। इस दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वाले 9 लोगों में 4 बच्चे शामिल हैं। हादसे में 10 लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार रात 11 बजे के करीब की है। मारे गए सभी लोग टेंपो में सवार थे, जो बस और दूध के टैंकर के बीच कुचल गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मरने वालों में 6 की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी, जबकि 3 ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। घायलों का एक स्थानीय अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे की सूचना मिलने पर हासन के पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर और वरिष्ठ अधिकारियों ने दुर्घटनास्थल का दौरा कर सभी जरूरी प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित कराया। पुलिस के मुताबिक शिवमोगा की ओर जा रही राज्य परिवहन निगम की बस ने टेम्पो को टक्कर मार दी। इसके बाद टेम्पो चालक ने अपने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया।

'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल 4 कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लगा करंट, अस्पताल में भर्ती कराए गए

बेल्लारी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा कर्नाटक के बेल्लारी में हादसे का शिकार हो गई। कांग्रेस की इस यात्रा में शामिल 4 कार्यकर्ताओं को करंट लग गया। सभी को प्राथमिक इलाज के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रविवार सुबह कर्नाटक के बेल्लारी से यात्रा की शुरुआत हुई। यहां से यात्रा मौका नामक स्थान पर पहुंची। यात्रा में शामिल कुछ कार्यकर्ता पार्टी का झंडा और लोहे की छड़ पकड़े हुए थे। इनमें से ही 4 लोग करंट की चपेट में आ गए। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने बताया कि मौके पर मौजूद एंबुलेंस के डॉक्टर्स ने शुरुआती इलाज किया और घायलों को अस्पताल रेफर कर दिया। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। 3750 किमी का सफर पूरा करने के बाद

यह यात्रा जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में खत्म होगी। यात्रा में शामिल सभी सदस्य इस दौरान 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से गुजरेंगे। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का फोकस जनता से जुड़े मुद्दों पर है। राहुल इस यात्रा के दौरान कई मौकों पर बेरोजगारी, किसानों की कर्जमाफी, बेहतर शिक्षा जैसे मुद्दे उठा चुके हैं। उन्होंने कर्नाटक में यह सवाल भी उठाया था कि राज्य के लोग कन्नड़ भाषा में एग्जाम टेस्ट क्यों नहीं दे सकते। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई और 4 राज्यों तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से पार हो गई है। भारत जोड़ो यात्रा 9 नवंबर को महाराष्ट्र में प्रवेश करेगी। कांग्रेस सूत्र दावा कर रहे हैं कि एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार और उनकी बेटी लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले भारत जोड़ो यात्रा का स्वागत कर सकते हैं। यह दूसरा मौका है जब कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में विपक्ष का कोई शीर्ष नेता नजर आएगा। इससे पहले 7 सितंबर को तमिलनाडु के सीएम और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन को यात्रा शुरू होने पर कन्याकुमारी में राहुल गांधी को तिरंगा सौंपते हुए देखा गया था।

हिजाब को लेकर आक्रमक हुई ईरान की जनता, सारे मुल्ला भाग जाओ के लगे नारे

तेहरान। ईरान में 22 वर्षीय युवती महसा अमिनी की मौत के बाद से हिजाब को विरोध प्रदर्शन ने आक्रमक रूप ले लिया है। आक्रोश की आग पिछले 5 हफ्ते से धधक रही है। वहीं सरकार इस विरोध प्रदर्शन को दबाने के लिए तरह-तरह की कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में सरकार ने इंटरनेट बंद कर दिया है, जिसके चलते गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को फिर से सड़कों पर उतरकर जमकर प्रदर्शन किया।

बता दें कि महसा अमिनी की 16 सितंबर को पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी, जिसे बाद से पूरे ईरान में विरोध प्रदर्शन का दौर जारी है। देश में वर्षों से देखे जा रहे सड़क विरोधों की सबसे बड़ी लहर में युवा महिलाएं सबसे आगे रही हैं। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने तेहरान के शरीयती टेक्नोलॉजी और बिजनेस कॉलेज में आयोजित एक सभा का वीडियो शेयर किया है। वीडियो में महिलाएं जमकर नारेबाजी कर रही हैं। वीडियो में गन, टैंक और 'मुल्लाओं भाग जाओ' जैसे नारे लगा रही हैं। ऑनलाइन मॉनिटर नेटब्लॉक्स द्वारा इंटरनेट ट्रैफिक में एक बड़ा व्यवधान कहे जाने के बाद भी ट्विटर पर वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें प्रदर्शनकारी उत्तर-पश्चिमी शहर अर्दबील की सड़कों पर भी नजर आ रहे हैं। वहीं विरोध और पुलिस उल्झेन पर नजर रखने वाले 1500 तस्वीर सोशल मीडिया चैनल ने कहा कि अमिनी के होम टाउन कुर्दिस्तान प्रांत के साकेज और पश्चिम अजरबैजान के इलाकों में शनिवार को दुकानदारों ने प्रदर्शन का समर्थन करते हुए अपनी दुकानों को बंद रखा। अमेरिका स्थित अधिकार निगरानीकर्ता 'एचआरएएनए' के अनुसार, 17 सितंबर को ईरान में शुरू हुए प्रदर्शनों के बाद से कम से कम 233 प्रदर्शनकारी मारे गए हैं।

बालासाहेब ठाकरे के पोते निहार बोले मैं शिंदे के साथ, उन्हीं के लिए करूंगा चुनाव प्रचार

मुंबई। शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पोते निहार ठाकरे ने कहा है कि वह पार्टी के एकनाथ शिंदे धड़े का समर्थन करते हैं और आगामी अंधेरी पूर्व विधानसभा उपचुनाव के साथ-साथ मुंबई नगर निकाय चुनावों में शिंदे गुट के लिए प्रचार करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने चुनावी राजनीति में शामिल होने से भी इंकार नहीं किया। आपको बता दें कि अंधेरी ईस्ट असेंबली सीट पर 3 नवंबर को उपचुनाव होना है। भाजपा ने शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना धड़े द्वारा समर्थित उम्मीदवार मुर्जी पटेल को मैदान में उतारा है। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी की रुतुजा लटके उनके खिलाफ चुनाव लड़ेंगी।

इस साल जून में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पिछली महाराष्ट्र सरकार को शिंदे गुट के विद्रोह के बाद सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। उसके बाद शिंदे और उद्धव गुट के लिए यह पहला बड़ा चुनावी मुकाबला है। बाल ठाकरे के बड़े बेटे बिंदुमाधव ठाकरे के पुत्र निहार पेशे से वकील हैं। वह सुप्रीम कोर्ट में चल रही 'असली शिवसेना किसकी' की लड़ाई में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कानूनी टीम का

भी हिस्सा हैं। उनके पिता बिंदुमाधव और मां मीना का 1996 में एक सड़क दुर्घटना में निधन हो चुका है। निहार ठाकरे कहते हैं कि एकनाथ शिंदे मेरे दिवंगत दादा की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं और इसलिए मैंने मुख्यमंत्री का समर्थन करता हूं।

इस बार विजयादशमी का दिन 'शिवसेना' के लिए बहुत बड़ा था। असली और नकली शिवसेना की लड़ाई के बीच उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे के शक्ति प्रदर्शन का दिन था। उद्धव गुट ने शक्ति प्रदर्शन के लिए मुंबई के ऐतिहासिक शिवाजी पार्क को चुना, वहीं एकनाथ शिंदे बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में गरजे। इस दौरान एकनाथ शिंदे के साथ मंच पर जो लोग नजर आए, वह नजारा उद्धव ठाकरे के लिए एक और बड़ा झटका था। खुद उनके परिवार के लोग शिंदे के नेतृत्व वाले गुट के समर्थन में दिखे। निहार के अलावा बाल ठाकरे के बेटे और उद्धव ठाकरे के बड़े भाई जयदेव ठाकरे, उनकी अलग हो चुकी पत्नी स्मिता ठाकरे एकनाथ शिंदे के साथ मंच पर नजर आए। इसके अलावा ठाणे के दिवंगत शिवसेना नेता आनंद दिघे की बहन अरुणा गडकरी भी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की दशहरा रैली में मौजूद रहीं। स्मिता ठाकरे और निहार कार्यक्रम स्थल पर सबसे पहले पहुंचे थे। कुछ देर बाद उद्धव के बड़े भाई जयदेव ठाकरे भी पहुंचे।

न्यूज़ ट्रैक....

टी20 विश्व कप में अंतर पैदा करेंगे सूर्यकुमार : रोहित

मेलबर्न । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि विश्वकप में सूर्या अहम भूमिका निभाएंगे। रोहित ने कहा, 'सूर्य अच्छी फॉर्म में हैं। मुझे उम्मीद है कि वह उसी तरह बल्लेबाजी करना जारी रखेगा। वह निडर होकर खेलता है और अपने कौशल का बेहतर तरीके से इस्तेमाल करता है। पिछले कुछ समय में अपने शानदार प्रदर्शन से सूर्यकुमार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ताजा टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अभी दूसरे नंबर पर बने हुए हैं। वह इस सूची में भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले बल्लेबाज है। उन्होंने दक्षिण अफीका के खिलाफ हुई घरेलू टी20 सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाये थे। सूर्यकुमार के 838 अंक हैं। इस प्रकार वह शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय बल्लेबाज हैं। सूर्यकुमार ने दक्षिण अफीका के खिलाफ तीन टी20 मैचों में करीब 200 की स्ट्राइक रेट से कुल 119 रन बनाए थे।

उमरान टीम के लिए फायदेमंद रहते : अरुण

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने कहा है कि टी20 विश्व कप के लिए तेज गेंदबाज उमरान मलिक को शामिल किया जाना था। भरत के अनुसार उमरान टीम के लिए लाभदायक साबित होते। उमरान ने आईपीएल 2022 में लगातार 150 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी कर बल्लेबाजों को परेशान कर दिया था। अरुण ने कहा, 'उमरान मलिक एक अच्छा खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई विकेटों को देखते हुए मुझे लगता है कि भारत ने ती स्पिनरों को लेकर सही नहीं किया है जबकि उमरान जैसे गेंदबाज तेज गेंदबाज अधिक प्रभावी रहता।' अरुण ने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई विकेटों पर काफी उछाल है। मैदान बड़े हैं , ऐसे में तेज गेंदबाजों की भूमिका अहम साबित हो सकती है। किसी भी समय आप टीम में केवल एक स्पिनर को अवसर दे सकते हैं और आपके पास दो का विकल्प होगा। इसलिए मेरा मानना है कि चयनकर्ताओं को एक स्पिनर की जगह पर उमरान मलिक को शामिल करना था।' पीठ की चोट के कारण मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टीम में नहीं हैं। ऐसे में मोहम्मद शमी को टीम में शामिल किया गया है जबकि मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया है।

टी-20 विश्व कप के लिए पसंदीदा नहीं माने जाने से निराश नहीं विलियमसन

मेलबर्न । न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान केन विलियमसन ने कहा है कि टी-20 विश्व कप खिताब के लिए उनकी टीम को प्रबल दावेदार नहीं माने जाने से वह निराश नहीं है। विलियमसन के अनुसार उनका ध्यान अपनी टीम के खेल पर रहेगा और उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन क्या सोच रहा है। विलियमसन ने टी-20 विश्व कप से पहले सभी कप्तानों के कार्यक्रम में कहा, हमारे पास वास्तव में कोई विकल्प नहीं है कि लोग हमें क्या कहते हैं, हम यहां खेलने आए हैं और हमारा ध्यान अपने खेल पर ही रहेगा। विलियमसन ने आगे कहा,हर किसी के पास अलग-अलग टैग और रैंकिंग होती है जो साल भर ऊपर और नीचे जाती है और मुझे लगता है कि वे अलग-अलग नामों के साथ समाप्त होते हैं। ऐसे टूर्नामेंटो में कुछ भी हो सकता है, आप खेल में कभी भी ऊपर आ सकते हैं।

भारतीय टीम ने सातवीं बार महिला एशिया कप क्रिकेट खिताब जीता

सिहलट । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में श्रीलंका को आठ विकेट से हराकर सातवीं बार महिला एशिया कप जीता है। इसी के साथ ही भारतीय महिलाओं ने पुरुष टीम के सात बार एशिया कप खिताब जीतने के रिकार्ड की भी बराबरी की है। इस मैच में भारतीय गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए श्रीलंकाई टीम को कोई मौका नहीं दिया और आसानी से मुकाबला जीत लिया। पहले गेंदबाजी के दौरान भारतीय टीम की ओर से रेणुका सिंह ने सबसे ज्यादा तीन विकेट जबकि राजेश्वरी गायकवाड़ और स्नेह राणा ने दो-दो विकट लिए। इसके बाद स्मृति मंधाना ने बल्लेबाजी के दौरान शानदार नाबाद अर्धशतक 51 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम विफल रही निर्धारित 20 ओवरों में वह नौ विकेट पर केवल 65 रन ही बना पायी जिसके बाद जीत के लिए मिले 66 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने 8.3 ओवर में ही दो विकेट के नुकसान पर 71 रन बनाकर हासिल कर लिया। स्मृति ने नौंवे ओवर की तीसरी गेंद पर छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई। यह महिला एशिया कप का आठवां सत्र था, जिसमें भारतीय टीम को सातवीं जीत मिली है जबकि पिछले संस्करण में इसे बांग्लादेश ने जीता था।

वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा केवल पांच रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने

वाली जेमिमा रॉड्रिगेज़ भी केवल दो रन ही बना पायीं। तब उपकप्तान मंधाना ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिये 36 रन जोड़कर भारतीय टीम को जीत दिलायी। मंधाना ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए केवल 25 गेंदों पर ही छह चौकों और तीन छक्कों लगाकर 51 रन बना दिये जबकि हरमनप्रीत ने 14 गेंदों पर एक चौके के साथ नाबाद 11 रन बनाये। मंधाना ने शुरुआत से ही ब? शॉट खेले। शेफाली और जेमिमा के विकेट गिरने के बाद भी मंधाना ने रनों की रफ्तार नहीं रुकने दी। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरीं हरमनप्रीत ने भी दूसरी ही गेंद पर चौका लगाकर उनका अच्छा साथ दिया। वहीं इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का श्रीलंकाई कप्तान का फैसला गलत साबित हुआ। श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी लेकिन यह फैसला उनके पक्ष में बिल्कुल भी नहीं गया। तीसरे ही ओवर में कप्तान और सलामी बल्लेबाज चमारी अटापट्टू केवल छह रन बनाकर आउट हो गयीं। इसके एक के बाद एक विकेट गिरने लगे। रेणुका ने अगले ही ओवर में हर्षिता मदावी और हसिनी परेरा को पेवेलियन भेज दिया जबकि अनुष्का संजीवनी रनआउट हुईं। रेणुक ने छठे ओवर में कविशा दिलहारी को आउट कर दिया। इस प्रकार केवल 16 रनों पर ही आधी टीम पेवेलियन लौट गयी। राजेश्वरी ने निलाक्षी डी सिल्वा और ओशदी राणासिंह के विकेट लिए जबकि स्नेह राणा ने मलशा शेहानी और सुगंधा कुमारी को अपना शिकार बनाया। श्रीलंका के नौ विकेट 50 रनों के अंद गिर गये थे। इसके बाद अंतिम दो बल्लेबाजों ने किसी प्रकार स्कोर आगे बढ़ाया। अंतिम बल्लेबाजों ने 27 गेंदों पर 22 रन जोड़कर अपनी टीम को 20 ओवर में 65/9 के स्कोर तक पहुंचाया। इनोका रणवीरा ने नाबाद 18 रन बनाए जबकि अचिनी कुलसुरिया ने छह रन बनाये। इस मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए भारत की रेणुका सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच जबकि दीप्ती शर्मा को प्लेयर ऑफ द सीरीज का इनाम मिला।

मैक्सवेल के खराब फार्म से ऑस्ट्रेलियाई टीम की परेशानी बढ़ी

नई दिल्ली । खिलाड़ी की फिटनेस से जूझ रही ऑस्ट्रेलियाई टीम अब अपने स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के खराब फार्म से परेशान है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को अगर खिताब बचाना है तो उसके लिए मैक्सवेल का फार्म में आना जरुरी है। मैक्सवेल टीम के एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं। वह गेंदबाजी के साथ ही अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए भी जाने जाते हैं पर हाल के कुछ दिनों से वह न ही रन बना पा रहे हैं और न ही विकेट लेने में सफल हो रहे। मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को हाल में खेली गयी टी20 सीरीज में भारत और इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। इन दोनों ही सीरीज में मैक्सवेल नाकाम रहे थे। उनके प्रदर्शन का स्तर इतना खराब हो गया है कि पिछली सात पारियों में बल्लेबाजी करते हुए वह दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये हैं। भारत के अलावा वह वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में भी रन नहीं बना पाये। इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की टी20 सीरीज में भी मैक्सवेल संघर्ष करते दिखे।

पिछले सात टी20 मुकाबले में उनकी गेंदबाजी भी अच्छी नहीं रही और वह इन मुकाबलों में केवल दो विकेट ही ले पाये हैं। भारत, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में भी वह विकेट नहीं ले पाये।

टी20 विश्व कप की अंतिम ग्यारह में शमी और अर्शदीप को मिलेगा अवसर

मेलबर्न (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है टी20 विश्व कप के लिए भारत की अंतिम ग्यारह टीम में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और युवा अर्शदीप सिंह भी शामिल रहेंगे। वहीं अगर भारतीय टीम तीन तेज गेंदबाजों के साथ खेलने का फैसला करती है तो भुवनेश्वर कुमार और हर्षल पटेल में से किसी एक को ही अंतिम ग्यारह में जगह मिल पायेगी। वहीं इसके साथ ही उथप्पा ने कहा, 'अंतिम ग्यारह का फैसाल इस बात पर भी निर्भर करेगा कि टीम कितने तेज गेंदबाजों के साथ उतरने जा रही है क्योंकि टीम के पास ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी है। मेरा मानना है कि अर्शदीप और शमी को टीम में जगह मिलनी चाहिये। इसके अलावा भुवनेश्वर और हर्षल में से किस को रखा जाता है यह टीम प्रबंधन पर निर्भर करता है। भारतीय टीम टी20 विश्व कप में अपना पहला ही मुकाबला 23 अक्टूबर को पाकिस्तान से खेलेगी। वहीं इससे पहले भारतीय टीम

योनेक्स सनराइज खुली बैडमिंटन स्पर्धा कल से

इन्दौर । सरताज अकादमी द्वारा आयोजित 16वीं योनेक्स सनराइज खुली विद्यालयीन-महाविद्यालयीन बैडमिंटन स्पर्धा में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दो खिलाड़ियों को वरिष्ठ पत्रकार राहुल बारपुते की स्मृति में दिया जाएगा, बालाजी बैडमिंटन एकेडमी, निपानिया में 17 अक्टूबर से शुरु हो रही इस स्पर्धा में 9, 11, 13, 15, 17, 19 वर्ष बालक-बालिका एवं 21 वर्ष आयु बालिका एकल मुकाबले हैं।

सरताज अकादमी प्रबंध निदेशक व स्पर्धा सचिव धर्मेश यशलहा और बालाजी बैडमिंटन एकेडमी की निदेशक दीपाली सुभाष खमरोला ने बताया कि स्पर्धा में अब तक डेढ़ सौ से अधिक प्रविष्टियां आ चुकी हैं। 17 से 19 अक्टूबर तक 9 और 11 वर्ष बालक और बालिका एकल, 13 और 15 वर्ष बालक और बालिका एकल और युगल मुकाबले होंगे। इसके लिए 16 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे तक प्रविष्टियां दी जा सकती हैं। अन्य वर्गों के मुकाबले 19 अक्टूबर से खेले जाएंगे।

धर्मेश ने बताया कि 17 और 19 बालक और बालिका एकल और युगल एवं 21 बालिका एकल के लिए प्रविष्टियां 18 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे तक दी जा सकेगी। 19 और 20 अक्टूबर को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर संभाग अंतर महाविद्यालय महिला बैडमिंटन होने से जरुरत हुई तो 21 और 19 वर्ष बालिका मुकाबले 19 और 20 अक्टूबर के बजाय 21 और 22 अक्टूबर को करेंगे।

कनीकी बदलाव कर विश्वकप के लिए तैयार हो रहे फिंच

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान आरोन फिंच पिछले कुछ समय से खराब फार्म से गुजर रहे हैं। ऐसे में वह टी20 विश्व कप में सफल होने के लिए अपने खेलने की तकनीक में बदलाव कर रहे हैं। फिंच ने टी20 पर ध्यान देने के लिए पिछले दिनों एकदिवसीय टीम की कप्तानी भी छोड़ दी थी। फिंच इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों में केवल 25 रन ही बना पाये थे। फिंच ने कहा ,'' टी20 क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के लिए सभी प्रकार के अवसर होते हैं। इसमें आक्रामक खेलकर आप आप के पास टीम को अच्छी शुरूआत देने के साथ ही लंबी पारी भी खेल सकते हैं लेकिन इसके साथ ही शुरुआत में विकेट खोने का जोखिम भी रहता है। फिंच ने कहा ,'' इसी को देखते हुए मैने कुछ तकनीकी बदलाव किये हैं जिससे अब मैं विश्व कप के लिये पूरी तरह से तैयार हूं। विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया का पहला मुकाबला 22 अक्टूबर को सिडनी में न्यूजीलैंड से होगा। फिंच ने कहा कि उनके पास काफी संतुलित टीम है। उन्होंने कहा,''केवल 11 खिलाड़ी ही विश्व कप नहीं जीतते बल्कि इसमें सभी 15 खिलाड़ियों का सहयोग होता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास काफी संतुलित टीम है जिसमें कई मैच विजेता खिलाड़ी शामिल हैं। कप्तान ने माना कि टीम को पिछले दिनों कई बार असफलता का सामना करना पड़ा है।

फ्रांस में महिलाओं की 500 मीटर टाइम ट्रायल यूसीआई विश्व ट्रैक चैम्पियनशिप में उत्साहित दिखीं फ्रांस की डिवाइन कुवामी।

व्यापार न्यूज

मोबाइल ऐप से करें सोने की शुद्धता की पहचान

नई दिल्ली । त्योहार के मौसम में दिवाली और धनतेरस पर देशभर के बाजारों में जमकर सोने-चांदी के आभूषणों की खरीदी होती है। ले?किन इनके शुद्धता की पहचान करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप अपने मोबाइल में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) का बीआईएस केयर ऐप इंस?टॉल कर लें। यह ऐप आपको सोने में होने वाली धोखाधड़ी से बचा सकता है। दरअसल इस ऐप से आप सोने के किसी भी सामान की हॉलमार्किंग की जांच कर सकते हैं। इसके लिए आपको ज्वेलरी के एचयूआईडी यानी हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर की जांच करनी होगी। ये नंबर 6 डिजिट का होता है और इसमें लेटर और डिजिट्स दोनों शामिल होते हैं। जब भी किसी गहने की हॉलमार्किंग की जाती है तो एचयूआईडी नंबर दिया जाता है। कभी भी दो ज?वेलरी पर एक एचयूआईडी नंबर नहीं होता है। सोने की शुद्धता परखने के लिए आप ऐप को अपने मोबाइल में इंस?टॉल करे ले। ??फिर ऐप ओपन करके अपना नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी आदि दर्ज करें और ओटीपी के जरिए इसे वेरिफाई करें। वेरिफाई होने के बाद जब आप ऐप के फीचर्स में देखेंगे तो आपको वेरीफाई एचयूआईडी का विकल्प मिलेगा। इसके जरिए आप सोने की शुद्धता की जांच कर सकते हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20.4 करोड़ डॉलर बढ़ा

मुंबई । देश के विदेशी मुद्रा भंडार में तेजी देखी गई है। 7 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह में यह 20.4 करो? डॉलर ब?कर 532.868 अरब डॉलर पंहुच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक गोल्ड रिजर्व का मूल्य ब?ने से विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई है। इसके पिछले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 4.854 अरब डॉलर घटकर 532.664 अरब डॉलर पर आ गया था। देश का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले कई हफ्तों से लगातार गिर रहा था। तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में डॉलर के मुकाबले तेजी से गिरते रुपए को संभालने के लिए आरबीआई ने इस विदेशी मुद्रा भंडार के एक हिस्से का इस्तेमाल किया है। एक साल पहले अक्टूबर, 2021 में देश का विदेश मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक, 7 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह में फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) 1.311 अरब डॉलर घटकर 471.496 अरब डॉलर रह गईं। एफसीए असल में समग्र भंडार का एक प्रमुख हिस्सा होता है।

विमान के टिकट पर 25 से 50 प्रतिशत की छूट देने के नाम पर 30 लोगों से ठगी

नई दिल्ली । विदेश जाने के लिए विमान के टिकट पर 25 से 50 प्रतिशत की छूट देने के नाम पर 30 से अधिक लोगों को ठगने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान जम्मू निवासी रविंदर कुमार (42) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सौरभ ग्रोवर नाम के एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया कि उस कुमार का मोबाइल नंबर मिला, जो 25 से 50 प्रतिशत की भारी छूट के साथ अंतरराष्ट्रीय विमानों के टिकट दिलवाता था। अधिकारी ने बताया कि ग्रोवर ने कुमार से संपर्क किया, जिसमें उन्हें रियायती कीमतों पर अंतरराष्ट्रीय हवाई टिकट उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया था। उन्होंने बताया कि अपनी बात का भरोसा दिलाने के लिए कुमार ने सौरभ को 95,000 रुपये का एक टिकट दिया, जिसकी वेबसाइट पर कीमत 1,25,000 रुपये थी। अधिकारी ने कहा, शिकायतकर्ता ने आरोपी से पोर्ट ऑफ स्पेन के सात टिकट के लिए संपर्क किया, जिनकी असल कीमत 12,25,000 रुपये थी। कुमार ने उन्हें इतनी रकम के बजाय टिकट के लिए अलग-अलग खातों में 9,75,000 रुपये जमा करवाने के लिए कहा था।

पुलिस ने बताया कि पैसे मिलने पर कुमार ने दो डमी/होल्ड टिकट भेजकर आश्वासन दिया कि वह पांच मार्च को यात्रा की तारीख से दो दिन पहले सभी पुष्ट (कन्फर्म) टिकट उपलब्ध करा देगा। इसके बाद आरोपी ने शिकायतकर्ता का फोन उठाना बंद कर दिया था। पुलिस उपायुक्त (रोहिणी) ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि आरोपी जनकपुरी इलाके में आने वाला है, जिसके बाद जाल बिछा कर कुमार को पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला कि कुमार ने 30 से अधिक लोगों से करीब तीन करोड़ रुपये की ठगी की है। उन्होंने बताया कि जम्मू से इंजीनियरिंग और पुणे से एमबीए करने के बाद कुमार ने टिकट बुक करने का धंधा शुरू किया, लेकिन लगातार घाटे के बाद उसने लोगों से बड़ी रकम लेकर उन्हें डमी या होल्ड टिकट देकर ठगना शुरू कर दिया।

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 9 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने पांचवे व छठे वेतन आयोग के तहत वेतन प्राप्त कर रहे कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में वृद्धि कर दी है. इस वृद्धि के बाद छठे वेतन आयोग के तहत वेतन ले रहे कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 203 फीसदी से बढ़कर 212 फीसदी हो गया है। डीए की नई दरें 1 जुलाई 2022 से लागू मानी जाएंगी। इसके अलावा पांचवें वेतन आयोग के तहत वेतन ले रहे केंद्रीय कर्मचारियों के डीए को 15 फीसदी बढ़ाकर 396 फीसदी कर दिया गया है। इन कर्मचारियों के लिए भी बढ़ोतरी 1 जुलाई से ही लागू मानी जाएगी। महंगाई भत्ता किसी कर्मचारी के बेसिक वेतन के आधार पर तय किया जाता है। अगर किसी केंद्रीय कर्मचारी की बेसिक सैलरी 43000 रुपए प्रति माह है तो उसे पुराने डीए (203 फीसदी) के तहत 87,290 रुपए मिलते होंगे। वहीं डीए 212 फीसदी होने के बाद ये बढ़कर 91,160 रुपए हो जाएगा। इससे उनके वेतन में करीब 3800 रुपए का इजाफा हो जाएगा। बता दें कि डिपार्टमेंट ऑफ एक्सपेंडिचर (डीओआई) ने 12 अक्टूबर को एक ऑफिस मेमोरेंडम जारी कर डीए बढ़ोतरी की सूचना दी थी। सातवें वेतन आयोग के तहत वेतन या पेंशन ले रहे कर्मचारियों का डीए व डीआर (महंगाई राहत) सितंबर में 34 फीसदी से बढ़ाकर 38 फीसदी कर दिया गया था। इसके बाद से ही छठे व पांचवें वेतन आयोग के तहत वेतन या पेंशन ले रहे कर्मचारी, पूर्व कर्मचारी डीए या डीआर बढ़ाने की मांग कर रहे थे।

सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को महंगाई से मुकाबले के लिए भत्ता देती है। इसी को महंगाई भत्ता (कर्मचारियों के लिए) और महंगाई राहत (पेंशनभोगियों के लिए) कहते हैं। केंद्र सरकार जुलाई और जनवरी में इसकी समीक्षा करती है। डीए इस बात पर भी निर्भर करता है कि कर्मचारी किस क्षेत्र में काम करता हैं। यानी शहरी क्षेत्र, लघु शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों का डीए अलग-अलग होता है। डीए किसी कर्मचारी के बेसिक वेतन के आधार पर होता है। बेसिक पे में किसी अन्य तरह का विशेष भुगतान नहीं होता है और ये शुद्ध वेतन होता है।

कंपनियों के तिमाही परिणामों से तय होगी बाजार की दिशा

नई दिल्ली । इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा घोषित होने वाले तिमाही परिणामों और वैश्विक रुझानों से तय होगी। इसके अलावा विदेशी पूंजी का प्रवाह भी बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। विश्लेषकों ने कहा कि रुपए में उतार-चढ़ाव और अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड में रुझान भी कारोबार को प्रभावित करेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि बाजार की नजर दूसरी तिमाही के नतीजों और वैश्विक रुझानों पर होगी। इस हफ्ते कई वित्तीय कंपनियों और सीमेंट कंपनियों के दूसरी तिमाही के परिणाम जारी होने वाले हैं। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बहुत है जिसका प्रभाव हमारे बाजार पर भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अमेरिका और चीन के व्यापक आंकड़े महत्वपूर्ण होंगे। इसके अलावा डॉलर सूचकांक, कच्चा तेल और अमेरिकी बांड के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी। एसीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी बड़ी कंपनियां और कई अन्य कंपनियां नतीजे घोषित करने वाली हैं।

मारुति ने बाजार में उतारी नई सीएनजी कार, 32 किमी का दे रही एवरेज

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने कार बाजार में अपनी नई सीएनजी कार उतार दी है बाजार में सीएनजी कारों का दबदबा कायम है। ऐसे में भारत की प्रमुख ऑटोमोटिव ब्रांड मारुति सुजुकी ने एक और सीएनजी कार बहुत ही कम कीमत में लॉन्च कर दी है। मारुति सुजुकी ने अपनी माइक्रो एसयूवी एस-प्रेसो का नया सीएनजी वर्जन लॉन्च कर दिया है। मारुति सुजुकी का दावा है कि यह कार सीएनजी पर 32.73 किलोमीटर प्रति किलो माइलेज देगी। यह एआरएआई द्वारा भी प्रमाणित किया गया है।

मारुति एस प्रेसो एस सीएनजी में कंपनी ने 1.0 लीटर डुअल जेट, डुअल वीवीटी नेक्स्ट जनरेशन के सीरीज इंजन को दिया है। एस-प्रेसो एस का नया सीएनजी इंजन 5,300 आरपीएम पर 41.7किलोवाट (56.69 पीएस) का पीक पावर आउटपुट और सीएनजी मोड में 3,400 आरपीएम पर 82.1एनएम का अधिकतम टॉर्क पैदा करता है। पेट्रोल से चलने पर यह इंजन 5,500 आरपीएम पर 65.26 पीएस की पीक पावर और 3,500 आरपीएम पर 89 एनएम की टॉर्क देता है। एस-प्रेसो 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ-साथ 5-स्पीड एएमटी के साथ उपलब्ध है। मारुति एस-प्रेसो एस-सीएनजी 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ काम करती है। मारुति ने इस कार में एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले की कनेक्टिविटी वाला 7 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया है। इसके साथ ही इसमें आपको डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, फ्रंट पावर विंडो, कीलेस एंट्री, फ्रंट सीट पर डुअल एयरबैग्स, रियर पार्किंग सेंसर्स, स्पीड अलर्ट, ईबीडी के साथ एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम, फ्रंट सीटबेल्ट रिमाइंडर जैसे फीचर्स देखने को मिलते हैं।

केवल एस-प्रेसो एलएक्सआई एस-सीएनजी और वीअक्सआई एस-सीएनजी वैरिएंट में ही सीएनजी उपकरण मिलते हैं। इसके कीमत कीमत की बात करें तो एलएक्सआई एस-सीएनजी वैरिएंट की 5.9 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। वहीं, वीअक्सआई एस-सीएनजी वैरिएंट की कीमत 6।10 लाख (एक्स-शोरूम) है। बता दें कि मारुति सुजुकी के पास इस समय 10 एस-सीएनजी मॉडल हैं।

पेट्रोल-डीजल झारखंड में महंगा, हिमाचल में सस्ता

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। इससे पहले शनिवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिली थी। ब्रेंट क्रूड 91.63 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 85.61 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। इधर सरकारी तेल कंपनियों ने कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में बदलाव कर दिया है। झारखंड में 0.55 रुपए बढ़कर पेट्रोल 100.76 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.55 रुपए पर पहुंच गया है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 0.49 रुपए महंगा होकर 106.45 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.96 रुपए का हो गया है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल की कीमत 0.87 रुपए घटकर 95.06 रुपए प्रति लीटर हो गई है। जबकि डीजल 0.74 रुपए सस्ता होकर 81.41 रुपए प्रति लीटर का हो गया है। पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में ईंधन की कीमत लगभग कल जितनी ही है। देश के चारों महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.48 रुपए और डीजल 94.26 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

साक्षात्कार की तैयारी गंभीरता से करें

सिविल सेवाओं की परीक्षाओं में साक्षात्कार बेहद कठिन माना जाता है और इसकी तैयारी करते समय पूरी तरह गंभीर होना जरुरी है। साक्षात्कार द्वारा प्रतियोगी की आवेदित पद हेतु क्षमता का सही-सही आकलन किया जाता है। यह आकलन संबंधित विषयों के विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है, इसलिए प्रत्याशियों से अपेक्षा की जाती है कि वे सतही ज्ञान के बल पर भ्रामक उत्तर न दें। बेहतर तो यही होगा कि राज्य सेवा के अंतर्गत उपलब्ध पदों के लिए आवेदन करते समय ही उन पदों की प्रकृति तथा आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त कर उसकी पूर्ति हेतु सभी संभावित क्षेत्रों का ज्ञान अर्जित करें। अकसर देखा गया है कि साक्षात्कार के दौरान प्रत्याशी से पहला सवाल यही किया जाता है कि उसने सिविल सेवा का क्षेत्र ही क्यों चुना या आवेदित पद के लिए ही वह क्यों आवेदन कर रहा है।

प्रत्याशियों के पास इसका सौद्देश्यपूर्ण जवाब होना चाहिए। महज देशसेवा, समाजसेवा जैसे उत्तर पर्याप्त नहीं होते हैं। जब तक प्रत्याशियों को इस बात का ज्ञान न हो कि साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे जाएँगे या क्या किया जाएगा तब तक वे इसकी पूर्णरूपेण तैयारी भी नहीं कर पाएँगे। आमतौर पर सिविल सेवा परीक्षा का साक्षात्कार विश्वविद्यालयीन प्रायोगिक परीक्षाओं की मौखिक परीक्षाओं (वाइवा) जैसा नहीं होता है और न ही अन्य नौकरियों के लिए लिए जाने वाले साक्षात्कार की तरह प्रत्याशियों की खिंचाई वाला होता है।

इसके बोर्ड में बैठने वाले सभी सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञ होने के साथ ही साक्षात्कार लेने के प्रति अत्यंत गंभीर होते हैं। वे प्रत्याशियों को परेशान कर उत्तेजाने के स्वाभाविक तरीके से बातचीत के लहजे में साक्षात्कार लेते हैं। उनका उद्देश्य प्रत्याशियों की प्रतिक्रया, व्यवहार, आत्मविश्वास, दृढ़ निश्चयता, सकारात्मकता, नकारात्मकता, अभिरुचि, निर्णय लेने की क्षमता, उसकी पृष्ठभूमि आदि का आकलन होता है। वे टालमटोल कर भ्रामक जवाब के बजाय ईमानदारीपूर्वक प्रत्याशियों द्वारा प्रश्न के उत्तर न जानने के जवाब को ज्यादा तरजीह देते हैं, क्योंकि उन्हें भी पता होता है कि कोई भी व्यक्ति सर्वज्ञाता नहीं होता है।

साक्षात्कार के दौरान उत्तर देते समय आत्मविश्वास तथा निश्चित दृष्टिकोण सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। यदि प्रश्न का विश्लेषण कर तर्कपूर्ण जवाब दिए जाएँ तो साक्षात्कार लेने वाला निश्चित ही प्रभावित होता है। हाँ, इसके लिए ज्यादा ज्ञान बघारने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि आपके ज्ञान के प्रमाण स्वरूप मुख्य परीक्षा के प्राप्तांकों की सूची उनके पास पहले ही उपलब्ध होती है। साक्षात्कार में बड़बोलेपन की बजाय मितभाषी प्रत्याशी के चयन की संभावना ज्यादा होती है, क्योंकि वह साक्षात्कार हेतु निर्धारित 15-20 मिनट में साक्षात्कार लेने वालों के ज्यादा से ज्यादा प्रश्नों के जवाब देकर उन्हें संतुष्ट कर सकता है।

साक्षात्कार के समय केवल विषयगत ज्ञान की जानकारी नहीं ली जाती। अपने प्रदेश, उसके राजनीतिक, सामाजिक, भौगोलिक स्थिति की जानकारी ज्यादा से ज्यादा होनी चाहिए तथा समसामयिक विषयों की जानकारी के साथ-साथ समस्याओं के समाधान की भी जानकारी यथेष्ट मानी जाती है। साक्षात्कार के लिए बौद्धिक ज्ञान जितना आवश्यक है, उतना ही व्यावहारिक ज्ञान भी जरूरी है, क्योंकि सिविल सेवा से जुड़े सभी पद लोकहित तथा जनसंपर्क के अंतर्गत आते हैं।

लिहाजा इन पदों के प्रत्याशियों से यह अपेक्षा की जाती है कि उनका दृष्टिकोण लोकहित तथा कल्याणकारी भावनाओं के अनुरूप हो। बुद्धिमत्ता, व्यवहार के अलावा प्रत्याशी के हावभाव, वेशभूषा तथा प्रतिक्रिया का भी साक्षात्कार में आकलन किया जाता है। आकर्षक व्यक्तित्व तथा सौम्य व्यवहार साक्षात्कार में सफलता की कुंजी माने जाते हैं।

कैरियर का चुनाव करते समय रहे सतर्क

कैरियर जीवन में एक ऐसा महत्वपूर्ण विषय है जिसका सही चुनाव करना बहुत ही जरूरी है । सही कैरियर मार्गदर्शन से ही आप अपने इच्छा अनुसार कैरियर के बारे में जान सकते हैं और यह भी जान सकते हैं कि क्या वह व्यवसाय या कैरियर आपके लिए सही है या नहीं । गलत कैरियर मार्गदर्शन से आपका जीवन बर्बाद हो सकता है । किसी भी व्यक्ति के जीवन में व्यवसाय ही ऐसा चीज है जिसके माध्यम से अत्यधिक ज्ञान के साथ-साथ वह पैसे कमा सकता है और अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है।

- जैसे ही हम आपसे ऊपर दिए गए प्रश्न पूछेंगे आप जरूर सोचने लगेंगे कि कौनसे कैरियर या व्यवसाय से आपको ज्यादा पैसे मिलेंगे । पर लोग यह नहीं सोचते की उस कैरियर या व्यवसाय से जुड़ने को अपनाने के बाद वह कैसे उस कैरियर के माध्यम से सफल हो सकते हैं या लक्ष्य को प्राप्त कर पाएंगे ।
- बहुत सारे व्यक्ति अपना कैरियर चुनने से पहले निचे दिए गए 3 चीजों को भूल जाते हैं -
- कोई भी कैरियर को चुनने के पश्चात होने वाली घटनाओं को ।

कैरियर से होने वाली मुश्किलें ।

- अपने आपसे पूछना कि आखिर वह कैरियर किस पक्के कारण से उसके लिए सही है ।
- सबसे मुख्य बात सही करियर को चुनने समय यह है कि आप अपने करियर से कितने खुश हैं। वाही सही है जो दिल को सुकून दे। आपके लिए सही करियर का चुनाव आप और आपका ज्ञान स्वयं है। आपको वही करियर जमेगा जिसके विषय में आपको ज्ञान है और जिस क्षेत्र में आपको ज्यादा जानकारी है।
- जबरदस्ती में चुने हुए करियर से कभी भी सफलता नहीं मिलती। ऐसे चुनाव से मात्र मानसिक तनाव और जीवन बर्बाद होता है क्योंकि ऐसे लोगों को ना तो उस विषय में जानकारी होती है या ना तो वह सही तरीके से उस कार्य को कर सकते हैं।
- किसी भी प्रकार के मुश्किल में शिक्षित और बड़े लोगों से पूछने में अपने आपको छोटा ना समझें। जितना हो सके अपने गुरुओं, परिवार के लोगों से या मित्रों की मदद लें। आपने के विषय में आप जितना ज्ञान बटोरेंगे उतना ही सफलता आपका करियर आपको प्रदान करेगा।

मछली पालन में है रोजगार की आसीम संभावनाएं

देश में मछली पालन में रोजगार की असीम संभावनाएं हैं। देश में मछली खाने वालों की संख्या जिस तेजी से बढ़ रही है उसको देखते हुए फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट का मानना है कि साल 2030 तक भारत में मछली की खपत चार गुणा बढ़ जाएगी। यही वजह है कि देश में मछली पालन का कारोबार भी तेजी से बढ़ रहा है। सरकार भी मछली पालन को बड़ी प्रमुखता दे रही है। मोदी सरकार ने राज्य सरकारों के साथ मिलकर एक स्कीम चला रही है, जिसके तहत मछली पालन का व्यवसाय करने वालों को सरकार लगभग 75 फीसदी वित्तीय समर्थन करती है। दरअसल, मोदी सरकार ने फार्मर्स की इनकम दोगुनी करने की घोषणा की है। यह स्कीम उसी घोषणा का हिस्सा है। सरकार का दावा है कि काफी कम जगह और कम पानी में मछली पालन की तकनीक अपनाने पर अच्छी खासी आय हो सकती है।

क्या है यह तकनीक

इस तकनीक को रिसर्कुलेर एक्वाकल्चर सिस्टम (आरएएस) कहा जाता है। जिसमें पानी का बहाव बना रहता है और पानी के आने-जाने की व्यवस्था की जाती है। इसमें कम जगह और कम पानी लगता है। जैसे कि अगर साधारण मछली पालन किया जाता है तो एक एकड़ तालाब में सिर्फ 15 से 20 हजार ही पंगेशियस मछली पाली जा सकती हैं, जबकि एक एकड़ में करीब 60 लाख लीटर पानी होता है। अगर तालाब में 20 हजार मछली डाली हैं तो एक मछली को 300 लीटर पानी में रखा जाता है। जबकि इस सिस्टम के जरिए एक हजार लीटर पानी में 110-120 मछली डालते है। इस हिसाब से एक मछली को केवल नौ लीटर पानी में रखा जाता है। इस सिस्टम में एक हेक्टेयर में 8 से 10 टन मछली पाली जा सकती है।

पांच लाख की लागत

अगर आप आरएएस तकनीक के अनुसार मछली पालन करना चाहते हैं तो आपको सिर्फ 5 लाख रुपए का इंतजाम करना होगा। इस राशि से आप लगभग 20 हजार किलोग्राम वजन की मछलियां पाल सकते हैं। नेशनल फिशरी डेवलपमेंट बोर्ड द्वारा तैयार की गई प्रोजेक्ट रिपोर्ट के मुताबिक, आप 20 हजार किग्रा कैपेसिटी वाले तालाब बनाते हैं तो आपके प्रोजेक्ट की कॉस्ट 20 लाख रुपए आएगी। इसमें कैपिटल कॉस्ट 9 लाख 64 हजार रुपए और ऑपरेशनल कॉस्ट 10 लाख 36 हजार रुपए होगी।

सरकार कितना करेगी सपोर्ट

20 लाख रुपए के प्रोजेक्ट में से आपको केवल 5 लाख रुपए का इंतजाम करना होगा। बाकी 7 लाख 50 हजार रुपए केंद्र सरकार और 3 लाख 75 हजार रुपए राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी के तौर पर दिया जाएगा। इसके अलावा सरकार 3 लाख 75 हजार रुपए का बैंक लोन भी दिलाएगी।

फ्रीलांस के जरिये कमाई करें

अगर आप नौकरी करने के बाद कुछ काम करके और पैसा कमाना चाहते हैं तो आप फ्रीलांस के क्षेत्र में आ सकते हैं। आप यह काम अपने समय के अनुसार कर सकते हैं और इसके लिए आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी होगी। अपने फील्ड से जुड़े फ्रीलांस काम करें- हर फील्ड से जुड़े फ्रीलांस काम होते हैं, जो कि आपके लिए अच्छी कमाई का जरिया बन सकते हैं। इसलिए आप भी अपने फील्ड के अनुसार दूसरा काम कर सकते हैं और दिन में दो-तीन घंटे काम करके आप अच्छा पैसा कमा सकते हैं.

- **लोकल प्रोडक्ट बेचें-** अगर आप अपने होम टाउन से अलग कहीं रहते हैं तो आप उस शहर में अपने होम टाउन से जुड़े कुछ फेमस प्रोडक्ट लाकर बेच सकते है। आप छोटे स्तर पर उसका कारोबार भी कर सकते हैं. इन प्रोडक्ट में खाने के सामान से लेकर कपड़े आदि भी शामिल है.
- **सोशल मीडिया एक्सपर्ट बनें-** आजकल हर कोई सोशल मीडिया पर काम कर लेता है। अगर आप नौकरी के बाद फ्री रहते हैं तो आप किसी कंपनी या व्यक्ति का सोशल मीडिया हैंडल कर सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ खास करने की आवश्कता नहीं है. बस इसके लिए आपके कॉन्टेक्ट होने आवश्यक है।
- **पीजी का काम शुरू करें-** अगर आप नौकरी से वक्त निकाल सकते हैं तो आप अपनी प्रोपर्टी पर या किराए की प्रोपर्टी पर पीजी बना सकते हैं। इसके लिए आपको पीजी में रहने वाले लोगों की व्यवस्था करनी होगी. यह बिजनेस किसी कॉलेज, ऑफिस के पास अच्छा चल सकता है.
- **कंपनियों के लिए विज्ञापन-** विज्ञापन एक बहुत बिजनेस बनकर उभरा है. कई कंपनियां ऐसी हैं जो लोगों को सिर्फ विज्ञापन देखने के पैसे देती हैं। आपको बता दें कि इस तरह की कई वेबसाइट्स हैं जो केवल विज्ञापन पढ़ने के पैसे देती हैं।

पढ़ने का शौक है तो लाइब्रेरी साइंस रहेगा बेहतर

आम तौर पर माना जाता है कि एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना है पर यह सही नहीं है। बल्कि लाइब्रेरियन का काम लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है। आज के समय में लोग भले ही सूचनाओं को कंप्यूटर या फोन पर हासिल करने लग गए हों, लेकिन फिर भी किताबों का महत्व उसी तरह बरकरार है। आज भी पढ़ने के शौकीन लोग कई तरह की किताबें, मैगजीन व अखबार आदि पढ़ना पसंद करते हैं और इसके लिए वह लाइब्रेरी का रूख करते हैं। वहां पर पत्र-पत्रिकाओं का एक बड़ा कलेक्शन मौजूद होता है और हर कोई अपनी पसंद की किताब वहां आसानी से पढ़ सकता है। अगर आपको हरदम किताबों से घिरे रहना पसंद है तो लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करके बतौर लाइब्रेरियन अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

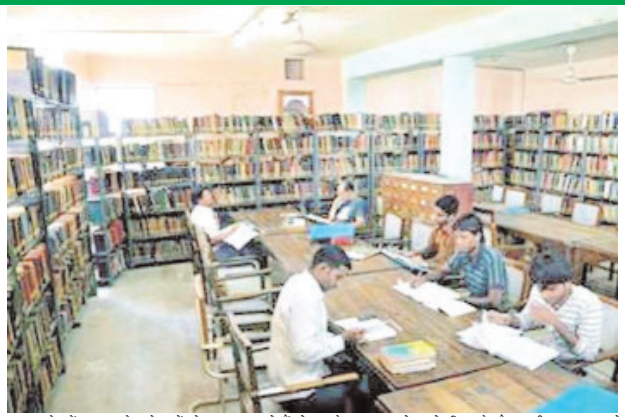

क्या होता है काम

एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना ही नहीं होता, बल्कि वह पूरी लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है। आसान शब्दों में, एक लाइब्रेरी को बेहतर बनाने के लिए जिन भी प्रयासों की आवश्यकता होती है, वह सभी उसके कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कदम रखने वाले छात्रों को सबसे पहले तो किताबों से लगाव होना बेहद जरूरी है। अगर आपका किताबों के प्रति रूझान नहीं है तो यह क्षेत्र आपके लिए नहीं है। इसके अलावा आपके भीतर मैनेजमेंट स्किल्स भी होने चाहिए। अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए।

योग्यता

इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर डिप्लोमा, ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स उपलब्ध हैं। अगर आप लाइब्रेरी साइंस में एक वर्षीय बैचलर डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं तो आपके पास कम से कम स्नातक स्तर की योग्यता होनी बेहद आवश्यक है। ठीक इसी तरह, मास्टर्स डिग्री करने के लिए लाइब्रेरी साइंस में बैचलर डिग्री होनी चाहिए।

संभावनाएं

अगर आप समझते हैं कि लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद आप सिर्फ लाइब्रेरियन ही बन सकते हैं, तो आप गलत है। इस कोर्स को करने के बाद आप इनफॉर्मेशन रिसोर्स स्पेशलिस्ट, रिसर्चर, मेटा-डेटा स्पेशलिस्ट और डॉक्यूमेंट स्पेशलिस्ट के तौर पर भी काम कर सकते हैं। लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद छात्रों को लाइब्रेरी के अलावा, गैलरीज, इंफार्मेशन एंड डाक्यूमेंटेशन सेंटर्स, पब्लिशिंग हाउस आदि में आसानी से काम मिल जाएगा। वैसे आप चाहें तो बतौर रिसर्च कंसल्टेंट भी काम कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
डीबीएस कॉलेज, गोविन्द नगर
राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर।

सुप्रीम कोर्ट ने साईंबाबा की रिहाई रोकी, जेल में बंद रहेंगे

सनत जैन

दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा, को मुंबई हाईकोर्ट द्वारा माओवादियों से संबंध मामले में शुक्रवार को बरी किया गया। मुंबई हाई कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ केंद्र सरकार की एजेंसी एनआईए ने जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट में जाकर आधी-अधूरी याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने एनआईए की याचिका की सुनवाई छुट्टी के दिन शनिवार को विशेष अदालत से कराने का निर्णय लिया। इस प्रक्रिया से सरकार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए, और न्यायपालिका की लोकतंत्र के प्रति आस्था एवं निष्ठा को लेकर प्रश्नचिन्ह लगना शुरू हो गया है। मुंबई हाई कोर्ट ने शारीरिक रूप से 90 फीसदी विकलांग प्रोफेसर साईं बाबा को जिन्हें 2014 में महाराष्ट्र के गढ़चिरौली मामले में गिरफ्तार किया गया था। 2017 में गढ़चिरोली की अदालत ने उन्हें उम्र कैद की सजा सुनाई थी। 2014 से वह लगातार नागपुर की केंद्रीय जेल में बंद हैं। वह आदिवासियों और जनजातियों के लिए आवाज उठाते रहे हैं। उन्हें सोशल एक्टिविस्ट के रूप में सारी दुनिया जानती है। इस मामले में कई बार उनकी ओर से जमानत के आवेदन लगाए गए। जो लगातार खारिज होते चले गए। इस मामले में गढ़चिरौली की अदालत में सुनाई गई सजा के खिलाफ मुंबई हाई कोर्ट में अपील की गई थी। मुंबई हाई कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व प्रोफेसर साईं बाबा और 5 अन्य आरोपियों को कोई सबूत नहीं होने के कारण निर्दोष करार दिया और उन्हें जेल से छोड़ने के आदेश दिए थे। बॉम्बे हाई कोर्ट का आदेश हुआ, उसके कुछ घंटों के बाद ही सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए। जहां पर उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर तत्काल रोक लगाने के लिए सुनवाई करने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की याचिका पर शनिवार की सुबह 11 बजे न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी को सुनवाई करने के लिए अधिकृत किया। यह एक ऐसा मामला है जिसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखा और सुना जा रहा है। न्यायालयीन प्रक्रिया को लेकर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चाएं हो रही हैं। पूर्व प्रोफेसर साईं बाबा की जिस तरीके की हालत है उस हालत में गंभीर से गंभीर मामले के अपराधी को जमानत और पैरोल मिल जाती है। लेकिन विचारधारा के आधार पर जेल में बंद आरोपी साईं बाबा जिनके खिलाफ एनआईए कोई सबूत नहीं जुटा सकी। पिछले 8 साल की कानूनी प्रक्रिया के बाद उनको हाईकोर्ट से राहत मिली। इसके तुरंत बाद न्यायिक प्रक्रिया का पालन किए बिना सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए दबाव बनाकर सुनवाई की मांग की गई। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मांग मान लिए जाने से सारे देश एवं दुनिया में यह संदेश जा रहा है, कि भारतीय न्यायपालिका सरकार के दबाव में काम कर रही है। यह स्थिति ना तो सरकार के लिए अच्छी है ना ही न्यायपालिका के लिए अच्छी मानी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले की सुनवाई करते हुए मुंबई हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। अगली सुनवाई के लिए 8 नवंबर की तारीख तय कर दी है। इस केस में एक आरोपी की जेल के अंदर ही मौत हो चुकी है। साईं बाबा 90 फीसदी विकलांग है। वह अपने खुद के जरूरी काम नहीं कर पाते हैं। ट्रायल कोर्ट में पूरी सुनवाई के बाद हाई कोर्ट में यह मामला कई वर्षों तक लंबित रहा।

सन्तान की लम्बी आयु की कामना का पर्व

रमेश सर्राफ धमोरा

(17 अक्टूबर पर विशेष- अहोई अष्टमी)

अहोई अष्टमी का व्रत करवा चौथ के ठीक चार दिन बाद आता है। करवा चौथ पर महिलाएं पति की दीर्घायु की कामना के लिए व्रत करती हैं तो अहोई अष्टमी पर संतान की दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत करती हैं। रात में तारों को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण करती हैं और फिर जल ग्रहण करती हैं। यह व्रत अहोई मैय्या को समर्पित होता है। अहोई अष्टमी का पर्व दीपावली के आरम्भ होने की सूचना देता है। विशेष अहोई अष्टमी का व्रत कार्तिक कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन किया जाता है। विशेष तौर पर यह पर्व माताओं द्वारा अपनी सन्तान की लम्बी आयु व स्वास्थ्य कामना के लिए किया जाता है। पुत्रवती महिलाओं के लिए यह व्रत अत्यन्त महत्वपूर्ण है। जिन माता-पिता को अपने सन्तान की ओर से स्वास्थ्य व आयु की दृष्टि से चिंता बनी रहती हो। इस पर्व पर सन्तान की माता द्वारा समुचित व्रत व पूजा करने का विशेष लाभ प्राप्त होता है। सन्तान स्वस्थ होकर दीर्घायु को प्राप्त करती हैं।

जिन दम्पत्तियों के पुत्र नहीं बल्कि पुत्री सन्तान है वे भी अहोई माता की पूजा कर सकती हैं। सन्तान की कामना वाली महिलाएं भी यह व्रत रखकर अहोई माता से सन्तान प्राप्ति की प्रार्थना कर सकती हैं। लेकिन यह भी नियम है कि एक साल व्रत लेने के बाद आजीवन यह व्रत टूटना नहीं चाहिए। पहले धारणा थी कि सिर्फ सपूतों के लिए ही व्रत रखा जाता है। ऐसा नहीं है। आज के बदलते दौर में जब पुत्री भी माता पिता के लिए बराबर की मान्यता साकार करती हैं तो पुत्रियों के सुख सौभाग्य के लिए भी अहोई माता कृपालु होती हैं।

अहोई माता के चित्रांकन में ज्यादातर आठ कोष्ठक की एक पुतली बनाई जाती है। उसी के पास सेह तथा उसके बच्चों की आकृतियां बना दी जाती हैं। उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अहोई माता का स्वरूप वहां की स्थानीय परम्परा के अनुसार बनता है। सम्पन्न घर की महिलाएं चांदी की अहोई बनवाती हैं। जमीन पर गोबर से लीपकर कलश की स्थापना होती है। अहोई माता की पूजा करके उन्हें दूध चावल का भोग लगाया जाता है। तत्पश्चात एक पाटे पर जल से भरा लोटा रखकर कथा सुनी जाती है। अहोई माता की पूजा के लिए गेरू से दीवार पर अहोई माता का चित्र बनाते हैं तथा साथ ही सेह और उसके बच्चों का चित्र भी बनाते हैं।

सन्ध्या में आरती के समय के उपरान्त मां का पूजन करने के बाद अहोई माता की कथा सुनते हैं। पूजा के बाद सास-ससुर के पैर छूकर आशीर्वाद प्राप्त कर बाहर आकाश में दीपक अर्पित करके तारों की पूजा कर जल चढ़ाते हैं। तारों को करवा से अर्घ्य भी दिया जाता है। इस दौरान अहोई माता का जाप भी करते हैं। अष्टमी का चांद देखने के उपरान्त व्रत पूजन पूरा हो जाता है और इसके पश्चात व्रती को जल ग्रहण करके व्रत का समापन करना होता है। पूजा के उपरान्त इस दिन लाल धागे की रक्षा सूत्र बांधकर पुत्र अथवा पुत्री को दीर्घायु का आशीर्वाद देना चाहिए!

कहा जाता है कि प्राचीन काल में एक साहूकार रहा करता था। साहूकार की पत्नी चंद्रिका बहुत गुणवती थी। साहूकार की बहुत सन्ताने थीं। वह अपने परिवार के साथ सुख से जीवन यापन कर रहा होता है। एक बार साहूकार की स्त्री घर की लीपा-पोती हेतु मिट्टी लेने खदान में जाती है और कुदाल से मिट्टी खोदने लगती है, परन्तु उसी जगह एक सेह की मांद होती है और अचानक उस स्त्री के हाथ से कुदाल सेह के बच्चे को लग जाती है जिससे सेह के बच्चे की मृत्यु हो जाती है। इस घटना से साहूकार की पत्नी को बहुत दुख होता है। मन में पश्चाताप का भाव लिए वह घर लौट जाती है। परन्तु कुछ दिनों बाद उसकी संतानें एक-एक करके मरने लगती हैं। अपने बच्चों की अकाल मृत्यु से पति पत्नी दुखी रहने लगते हैं। बच्चों की शोक सभा में साहूकार की पत्नी विलाप करती हुई उन्हें बताती है कि उसने जान-बूझकर कभी कोई पाप नहीं किया लेकिन एक बार अंजाने में उससे एक सेह के बच्चे की हत्या हो गई थी।

यह सुनकर औरतें साहूकार की पत्नी को दिलासा देती हैं और उसे अष्टमी माता की पूजा करने को कहती हैं। साहूकार की पत्नी दीवार पर अहोई माता और सेह के बच्चों का चित्र बनाकर माता की पूजा करती है और अहोई मां से अपने अपराध की क्षमा-याचना करती है। तब मां प्रसन्न हो उसकी होने वाली सन्तानों को दीर्घ आयु का वरदान देती हैं। तभी से अहोई व्रत की परम्परा प्रचलित हो गई।

अहोई माता पर एक दन्तकथा के अनुसार, प्राचीन काल में दतिया नगर में चंद्रभान नाम का एक आदमी रहता था। उसकी बहुत सी सन्तानें थीं, परन्तु उसकी सन्ताने अल्प आयु में ही अकाल मृत्यु को प्राप्त होने लगती हैं। अपने बच्चों की अकाल मृत्यु से पति-पत्नी दुखी रहने लगे थे। कालान्तर तक कोई सन्तान न होने के कारण वह पति-पत्नी अपनी धन दौलत का त्याग करके वन की ओर चले जाते हैं और बद्रिकाश्रम के समीप बने जल के कुंड के पास पहुंचते हैं तथा वहीं अपने प्राणों का त्याग करने के लिए अन्न-जल का त्याग करके उपवास पर बैठ जाते हैं।

इस तरह छह दिन बीत जाते हैं तब सातवें दिन एक आकाशवाणी होती है कि हे साहूकार। तुम्हें यह दुस्ख तुम्हारे पूर्व जन्म के पाप से मिल रह है। अतरू इन पापों से मुक्ति के लिए तुम्हें अहोई अष्टमी के दिन व्रत का पालन करके अहोई माता की पूजा अर्चना करनी चाहिए। जिससे प्रसन्न हो अहोई माता तुम्हें पुत्र प्राप्ति के साथ-साथ उसकी दीर्घ आयु का वरदान देंगी। इस प्रकार दोनों पति-पत्नी अहोई अष्टमी के दिन व्रत करते हैं और अपने पापों की क्षमा मांगते हैं। अहोई मां प्रसन्न हो उन्हें संतान की दीर्घायु का वरदान देती हैं।

आज के समय में भी माताओं द्वारा अपनी सन्तान की इष्टकामना के लिए अहोई माता का व्रत रखा जाता है और सांयकाल अहोई मता की पूजा की जाती है तो निश्चित रूप से इसका शुभफल उनको मिलता ही है और सन्तान चाहे पुत्र हो या पुत्री उसको भी निष्कंटक जीवन का सुख मिलता है। अहोई व्रत के दिन प्रात उठकर स्नान करें और पूजा पाठ करके अपनी संतान की दीर्घायु एवं सुखमय जीवन हेतु कामना करते हुए, मैं अहोई माता का व्रत कर रही हूं ऐसा संकल्प करें। अहोई माता मेरी संतान को दीर्घायु, स्वस्थ एवं सुखी रखे। अनहोनी को होनी बनाने वाली माता देवी पार्वती हैं। इसलिए माता पार्वती की पूजा करें। अहोई माता की पूजा के लिए गेरू से दीवार पर अहोई माता का चित्र बनाएं और साथ ही सेह और उसके सात पुत्रों का चित्र बनाएं। सन्ध्या काल में इन चित्रों की पूजा करें।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

भक्त के भीतर रहते हैं कृष्ण

जब भगवान चैतन्य बनारस में हरे कृष्ण महामंत्र के कीर्तन का प्रवर्तन कर रहे थे, तो हजारों लोग उनका अनुसरण कर रहे थे। तत्कालीन बनारस के अत्यंत प्रभावशाली और विद्वान प्रकाशानंद सरस्वती उनको भावुक कहकर उनका उपहास करते थे। कभी-कभी भक्तों की आलोचना दार्शनिक यह सोचकर करते हैं कि भक्तगण अंधकार में हैं और दार्शनिक दृष्टि से भोले-भाले भावुक हैं, किंतु यह तथ्य नहीं है। ऐसे अनेक बड़े-बड़े विद्वान पुरुष हैं, जिन्होंने भक्ति का दर्शन प्रस्तुत किया है। किंतु यदि कोई भक्त उनके इस साहित्य का या उनके गुरु का लाभ न भी उठाए और यदि वह अपनी भक्ति में एकनिष्ठ रहे, तो उसके अंतर से कृष्ण स्वयं उसकी सहायता करते हैं।अत- कृष्णभावनामृत में रत एकनिष्ठ भक्त ज्ञानरहित नहीं हो सकता। इसके लिए इतनी ही योग्यता चाहिए कि वह पूर्ण कृष्णभावनामृत में रहकर भक्ति संपन्न करता रहे। आधुनिक दार्शनिकों का विचार है कि बिना विवेक के शुद्ध ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। उनके लिए भगवान का उत्तर है- जो लोग शुद्धभक्ति में रत हैं, भले ही वे पर्याप्त शिक्षित न हों तथा वैदिक नियमों से पूर्णतया अवगत न हों, किंतु भगवान उनकी सहायता करते ही हैं। भगवान अजरुन को बताते हैं कि मात्र चिंतन से परम सत्य भगवान को समझ पाना असंभव है, क्योंकि भगवान इतने महान हैं कि कोरे मानसिक प्रयास से उन्हें न तो जाना जा सकता है, न ही प्राप्त किया जा सकता है। भले ही कोई लाखों वर्षों तक चिंतन करता रहे, किंतु यदि भक्ति नहीं करता, यदि वह परम सत्य का प्रेमी नहीं है, तो उसे कभी भी कृष्ण या परम सत्य समझ में नहीं आएंगे।परम सत्य, कृष्ण, केवल भक्ति से प्रसन्न होते हैं और अपनी अचिंत्य शक्ति से वे शुद्ध भक्त के हृदय में स्वयं प्रकट हो सकते हैं।

सन्तान की रक्षा का महापर्व है अहोई

डॉ श्रीगोपाल नारसन

अहोई शब्द अनहोनी का अपभ्रंश है, देवी पार्वती अनहोनी को टालने वाली देवी मानी गई हैं। इसलिए इस दिन वंश वृद्धि और संतान के सारे कष्ट दूर करने के लिए मां पार्वती और सेह माता की पूजा की जाती है।इस बार अहोई अष्टमी को शिव योग- 17 अक्टूबर, प्रातःकाल से लेकर शाम 04 बजकर 02 मिनट तक सिद्ध योग- शाम 04 बजकर 02 मिनट से अगले दिन शाम 04 बजकर 53 मिनट तकसर्वार्थ सिद्धि योग- 18 अक्टूबर, प्रातः 05 बजकर 13 मिनट से प्रातः 06 बजकर 23 मिनट तक रहेगा। हर मां के लिए अहोई का व्रत उसकी संतान की रक्षा का महापर्व है।तभी तो अहोई माता का व्रत रखने और उनकी मनोयोग से पूजा करने से अहोई मां, उपवास रख रही मां व उनकी सन्तान को लम्बी उम्र का आशीर्वाद देती हैं। संतान की सलामती से जुड़े इस व्रत का बहुत महत्व है। साथ ही इस दिन की पूजा को विशेष पूजा भी कहा जा सकता है। अहोई अष्टमी पर सर्वार्थ सिद्धि योग, शिव और सिद्ध योग बन रहे हैं. ये तीनों ही योग शुभ और मांगलिक कार्यों के लिए अच्छे माने जाते हैं। अहोई अष्टमी को कालाष्टमी भी कहते हैं। इस दिन मथुरा के राधा कुंड में लाखों श्रद्धालु स्नान करने के लिए पहुंचते हैं। अहोई अष्टमी का व्रत करवा चौथ के चार दिन बाद और दिवाली से आठ दिन पहले रखा जाता है।

अहोई माता की पूजा ऐसे करें-

सुबह के समय जल्दी उठकर सबसे पहले स्नान आदि करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। अब मंदिर या घर मे पूजा स्थान की दीवार पर गेरू और चावल से अहोई माता यानी कि मां पार्वती और स्याहु व उसके सात पुत्रों का चित्र बनाएं।इसके लिए बाजार में मिलने वाले पोस्टर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। अब एक नए मटके में पानी भरकर रखें, उसपर हल्दी से स्वास्तिक बनाएं, अब मटके के ढक्कन पर सिंघाड़े रखें। घर में मौजूद सभी बुजुर्ग महिलाओं को बुलाकर सभी के साथ मिलकर अहोई माता का ध्यान करें और उनकी व्रत कथा पढ़ें। सभी के लिए एक-एक स्वच्छ कपड़ा भी रखें। कथा खत्म होने के बाद इस कपड़े को उन महिलाओं को

भेंट कर दें। रखे हुए मटके का पानी खाली ना करें इस पानी से दीवाली के दिन पूरे घर में पोंछा लगाएं। इससे घर में बरकत आती है। रात के समय सितारों को जल से अर्घ्य दें और फिर ही उपवास को पूरा करें। इस दिन अहोई माता की पूजा की जाती है। अहोई अष्टमी का व्रत महिलाएं अपनी संतानों की लंबी आयु के लिए रखती हैं। कुछ महिलाएं इस व्रत को संतान प्राप्ति के लिए भी करती हैं। यह व्रत दिनभर निर्जल रहकर किया जाता है। अहोई माता का पूजन करने के लिए महिलाएं तड़के उठकर मंदिर में जाती हैं और वहीं पर पूजा के साथ व्रत प्रारंभ होता है। यह व्रत चंद्र दर्शन के बाद ही खोला जाता है। महिलाएं इस दिन सायंकाल भक्ति-भावना के साथ दीवार पर अहोई की पुतली रंग भरकर बनाती हैं। उसी पुतली के पास सेई व सेई के बच्चे भी बनाती हैं। आजकल बाजार से अहोई के बने रंगीन चित्र कागज भी मिलते हैं जिनको लाकर उनकी पूजा की जा सकती है। कुछ महिलाएं पूजा के लिए चांदी की एक अहोई भी बनाती हैं, जिसे स्याऊ कहते हैं और उसमें चांदी के दो मोती डालकर विशेष पूजन किया जाता है। तारे निकलने के बाद अहोई माता की पूजा प्रारंभ होती है। पूजन से पहले जमीन को स्वच्छ करके, पूजा का चौक पूरकर, एक लोटे में जलकर उसे कलश की भांति चौकी के एक कोने पर रख ते हैं और फिर भक्ति भाव से पूजा करते हैं। साथ ही अहोई अष्टमी की व्रत कथा का श्रद्धा भाव से श्रवण किया जाता है। कथा, पूजन और आरती के बाद माता को हलवा, पूड़ी और चना चढ़ाया जाता है। कुछ परिवारों में माता को पानी के साथ दूध और कच्चा चावल चढ़ाते हैं।

क्या है अहोई की प्रचलित कथा

बताया गया है कि एक साहूकार के 7 बेटे थे और एक बेटी थी। साहूकार ने अपने सातों बेटों और एक बेटी की शादी कर दी थी. अब उसके घर में सात बेटों के साथ सातबहुएं भी थीं। साहूकार की बेटी दिवाली पर अपने ससुराल से मायके आई थी. दिवाली पर घर को लीपना था, इसलिए सारी बहुएं जंगल से मिट्टी लेने गईं. ये देखकरससुराल से मायके आई साहूकार की बेटी भी उनके साथ चल दी।

अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस

सूडोकु नवताल- 6221

कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल 6220 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

गरीबी अपने आप में बहुत बड़ा अभिशाप है ।गरीबी के कारण मनुष्य को क्या क्या नहीं करना पड़ता है ।गरीबी के अनेक कारण होते हैं ।व्यक्ति की गरीबी और देश की गरीबी में बहुत अंतर होता है ।आर्थिक संतुलन का न होना के अलावा देश में भ्रष्टाचार और राजनैतिक हस्तक्षेप का होना भी एक महत्वपूर्ण कारक है ।रोजगारी और व्यवसाय का समान अवसर न मिलना संभव नहीं है । गरीबी सिर्फ आमदनी से नहीं शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ पोषण लेवल से भी तय होती है। व्यवहार में सभी के लिए गरिमा 2022 -2023 के लिए गरीबी उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस का मुख्य विषय है। मनुष्य की गरिमा न केवल अपने आप में एक मौलिक अधिकार है बल्कि अन्य सभी मौलिक अधिकारों का आधार है। अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस का प्रमुख उद्देश्य विकासशील देशों में निर्धनता को समाप्त करना है। यह दिवस गरीबी में रहने वाले लोगों के साथ सक्रिय भागीदारी के माध्यम से लोगों को गरीबी से बाहर लाने के प्रयास पर जोर देता है। इस दिवस का मनाने का उद्देश्य विश्व समुदाय में गरीबी दूर करने हेतु किये जा रहे प्रयासों के संबंध में जागरूकता बढ़ाना है। अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस का प्रमुख उद्देश्य विकासशील देशों में निर्धनता को समाप्त करना है। यह दिवस गरीबी में रहने वाले लोगों के साथ सक्रिय भागीदारी के माध्यम से लोगों को गरीबी से बाहर लाने के प्रयास पर जोर देता है। साथ ही, उनके

लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है।संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य में यह बताया गया है कि किसी एक विशेष कारण के चलते नहीं बल्कि भिन्न-भिन्न कारणों की वजह से लोगों को गरीबी में जीवन व्यापन करने हेतु मजबूर होना पड़ता है। केवल आय का साधन एवं आमदनी ही गरीबी का मुख्य कारण नहीं है बल्कि भोजन, घर, भूमि, स्वास्थ्य आदि भी गरीबी के निर्धारण में अहम भूमिका निभाते हैं।

भारत में गरीबी का कारण

भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी इत्यादि है। भारत एक कृषि प्रधान देश है। इसकी एक बड़ी जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। खराब कृषि और बेरोजगारी के कारण से लोगों को भोजन की कमी से जूझना पड़ता है। यही वजह है कि महंगाई ने भी पंख फैला रखे हैं। वहीं भारत में गरीबी का एक प्रमुख कारण बढ़ती जनसंख्या भी है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 22 दिसम्बर 1992 को हरेक साल 17 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस मनाये जाने की घोषणा की गयी। इस दिवस पर भिन्न-भिन्न राष्ट्रों द्वारा गरीबी उन्मूलन हेतु प्रयास, विकास एवं विभिन्न कार्यों और योजनाओं को जारी किया जाता है। यह दिवस पहली बार साल 1987 में फ्रांस में मनाया गया था। इस दिवस में लगभग एक लाख लोगों ने मानव अधिकारों हेतु प्रदर्शन किया था। यह आंदोलन एटीडी फोर्थ वर्ल्ड के संस्थापक जोसफ वेंसिकी द्वारा शुरू किया गया था।

गरीबी कैसे मापी जाती है?

जिस वर्ग या देश में लोगों का जीवन स्तर या प्रति व्यक्ति आय का स्तर कम रहता है वे उच्च निर्वाह स्तर या अधिक प्रति व्यक्ति आय वाले लोगों की तुलना में गरीब माने जाते हैं। लोगों के निर्वाह स्तर को आय एवं उपयोग व्यय के आधार पर मापा जाता है।

कुपोषण के मामले बढ़े

भारत में गरीबी मापने के अन्य मापक में खाने के सामान में शामिल चीजें आदि भी शामिल हैं। देश में कुपोषण और खाने पीने की चीजों की बर्बादी को भी गरीबी नापने का एक मापक बनाया गया है। वास्तव में इससे गरीबी में कमी आने की बात सामने नहीं आई है। देश में कुपोषित बच्चों की संख्या गरीबों की कुल संख्या की तुलना में बहुत अधिक है।

सवाल.... संवैधानिक दायरें का: क्या संवैधानिक संगठन अपनी 'लक्ष्मण रेखा' लांघ रहे है....?

ओमप्रकाश मेहता

हमारे संविधान को गीता-रामायण-भागवत की तरह 'धर्मग्रंथ' मानकर उसकी दुहाई देने वाले सरकारी संवैधानिक संगठन जब स्वयं संविधान में वर्णित एक-दूसरे की सीमाएं लांघने लगे, तब उस प्रजातांत्रिक देश का क्या हश्र होता है, यह किसी से भी छुपा हुआ नहीं है, किंतु हमारे देश में तो यह गैर संवैधानिक कृत्य पिछले कई दशकों से चल रहा है और अब तो ये संगठन स्वीकारने लगे कि वे संवैधानिक मर्यादा का उल्लंघन कर रहे है, फिर भी गरियां कर ऐसा करते रहने की सार्वजनिक घोषणा भी कर रहे है। एक जनतंत्री देश में ऐसी स्थिति तभी पैदा होती है जब केन्द्र में विराजित सरकार सभी संवैधानिक मर्यादाओं को लांघकर निरंकुश हो शासन करें, तभी दूसरे संवैधानिक संगठनों में भी गैर संवैधानिक कृत्य करने का हौसला पैदा हो जाता है और आज ठीक यही हमारे विश्व के सबसे बड़े इस लोकतंत्री देश में हो रहे है, हमने आज से पचहत्तर साल पहले आजादी तो प्राप्त कर ली, किंतु सही अर्थों में आजाद देश की सरकार प्रजातांत्रिक तरीके से चलाने के तौर-तरीके आज तक भी नहीं सीखें, आजादी के बाद पं. जवाहार लाल नेहरू ने अपने तरीके से सरकार चलाई, फिर इंदिरा जी आई जिन्होंने आपातकाल का सहारा लेकर दबंगी सरकार चलाई और अब पिछले आठ वर्षों से भारतीय जनता पार्टी की मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार अपने तौर-तरीकों से चल रही है, इन 75 सालों का दुर्भाग्य यही है कि आज तक देश और देशवासी के बारे में सही अर्थों में किसी भी सरकार ने नहीं सोचा, सभी ने अपने राजनीतिक मकसद पूरे किए, अपने घर भरे और चला दिये और यही सरकारी प्रक्रिया अभी भी जारी है, नेतृत्व चाहे कितना ही ईमानदार हो, पर सरकार ईमानदार रहे तक न? हों.... तो मूल चर्चा का विषय आज संवैधानिक मर्यादा है, प्रजातंत्र की मूल परिभाषा-''जनता की, जनता के लिए और जनता के द्वारा सरकार'' है, किंतु क्या परिभाषा के इस दायरे में हमारी सरकार व हमारा प्रजातंत्र फीट हो पा रहा है? प्रजातंत्र के तीन अंग कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका है, क्या आज ये तीनों अंग संवैधानिक दायरें में अपना-अपना दायित्व निभाने में अपने आपको सक्षम पा रहे है? क्या ये अंग एक-दूसरे के दायरें में हस्तक्षेप नहीं कर रहे है? क्या विधायिका (अर्थात् सरकार) शेष दोनों अंगों पर हावी होने का प्रयास नहीं कर रही है?

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह को जन्मदिन पर बधाई देने लगा रहा तांता

जैनम मानस परिसर में किया गया डॉ रमन सिंह का अभिनंदन, भव्य समारोह में हज़ारों जुटे बधाई देने पहुँचे लोगों ने कहा दिलों पर राज करते है डॉ रमन

अश्वनी अवस्थी ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री , भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह का जन्मदिन शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। राजधानी के वीआईपी रोड जैन मानस भवन में पूर्व मंत्री राजेश मूणत के नेतृत्व में भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में लोग प्रदेश के अलग अलग जिलों से राजधानी पहुँचे और जन्मदिन समारोह में शामिल होकर अपनी बधाई और शुभकामनाएं दी। इस दौरान लोगो ने डॉ रमन सिंह के स्वस्थ और दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि डॉ सिंह दिलो में राज करते है। डॉ सिंह को उनके जन्मदिन पर ल राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल अनुसुइया उईके, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष अरुण साहू समेत कई बड़ी हस्तियों ने शुभकामनाएं भेजी हैं। पूर्व मंत्री श्री राजेश मूणत के द्वारा आयोजित

जन्मदिन समारोह में नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री धरमलाल कौशिक,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल ,सांसद सुनील सोनी,विजय बघेल ,संतोष पांडेय पूर्व मंत्री केदार कश्यप ,महेश गागडा, भाजपा महामंत्री ओ.पी.चौधरी ,विजय शर्मा जी ,अवधेश चंदेल ,अमित साहू , अशोक साहू ,श्रीचंद सुंदरानी ,राजीव अग्रवाल ,छगन मूंदड़ा,नंदे साहू, सुभाष राव , चंद्राकर , पार्षद मीनल चौबे , सीमा संतोष साहू , सरिता दुबे ,रोहित साहू , दीपक जायसवाल ,विश्वदायनी पाण्डेय , सुशील धीवर रजियंत ध्रुव ,सुमन राम प्रजापति ,टेसू साहू , गोदावरी राज साहू ,मृत्युंजय दुबे भी शामिल थे। इसके अलावा समाज के पाटीदार समाज अध्यक्ष -- श्री मोहन भाई पटेल एंव पदाधिकारी, श्री गुजराती समाज अध्यक्ष श्री प्रकाश बारमेडा एवं पदाधिकारी , बंगाली समाज माना कैम्प , छठ आयोजन समिति महादेव घाट अध्यक्ष राजेश सिंग , अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन प्रदेश अध्यक्ष श् मुन्तीनाथ पांडे, उत्तर भारतीय समिति हीरापुर अध्यक्ष चंद्रभूषण शर्मा , जैन श्री संघ शंकरनगर अध्यक्ष प्रेमचंद लुनावत , ग्रीन आर्मी टीम रायपुर अध्यक्ष अमिताब दुबे, उत्कल समाज, छत्तीसगढ़ सकल गुजराती समाज अध्यक्ष कौशिक कट्टा, मिथिलायतन मैथिल समाज अध्यक्ष अरुण कुमार , प्रदेश मुस्लिम महिला संगठन छत्तीसगढ़ अध्यक्ष नजमा अजीम , हरदिहा समाज नवयुवक संघ रायपुर संभाग, गुजराती गोड समाज अध्यक्ष अरुण भाई राठौर , रायपुर टीम्बर मर्चेंट एसोसिएशन , अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा , छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज , राजपूत क्षत्रिय महासभा बारहमासी , श्री सिमंदर स्वामी जैन मंदिर दादाबाडी ट्रस्ट , अखिल भारतीय क्षत्रीय महासभा , छत्तीसगढ़ सिख कौंसिल , पंडरी कपडा व्यापारी संघ , छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलो के अध्यक्ष ,विभिन्न मंडलो के अध्यक्ष मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष ,जिला पंचायत अध्यक्ष. जिला पंचायत सदस्य भी अपने समर्थकों और साथियों के साथ जन्मदिवस समारोह में बधाई देने पहुंचे।

संजू साहू बने जिला साहू संघ युवा प्रकोष्ठ के जिलाउपाध्यक्ष

पुष्पांजली टुडे

गरियाबंद- छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री टहल राम साहू जी अखिल भारतीय तैलिक महासभा युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संदीप साहू श्री दीपक ताराचंद साहू जिला साहू संघ गरियाबंद जिला अध्यक्ष नारायण साहू श्री नेहरू साहू के अनुशंसा पर संजू साहू को जिला साहू संघ युवा प्रकोष्ठ का जिला उपाध्यक्ष बनाया गया जिसमे समाज प्रमुखों ने हार माला पहना कर बधाई एवं शुभकामनाएं दिए जिसमे प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष श्री नारायण साहू जी,उपाध्यक्ष मिलेश्वारी साहू, महासचिव नेहरू साहू जी,लक्ष्मीलाल साहू जी,हरीश साहू जी,भोला साहू जी,ज्ञानचंद साहू जी,योगेंद्र साहू जी,लल्ला साहू जी,लोकनाथ साहू जी,जीतू साहू जी,हरीश साहू जी एवम समाज के उपस्थित लोगो ने बधाई दिया एवम उज्वाल भविष्य के शुभकामनाएं दिए।

यातायात नियमो के बारे में आम लोगो को जागरूक करने हेतु पन्ना पुलिस द्वारा आयोजित की गई बाइक रैली

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा

पन्ना। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशन में प्रदेश स्तर पर आम लोगो को यातायात नियमों का पालन करावे जाने हेतु पुलिस अधीक्षक पन्ना श्री धर्मराज मीना के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती आरती सिंह के मार्गदर्शन में आज दिनांक 16/10/2022 जागरूकता बाईक रैली आयोजित की गई । उक्त बाइक रैली थाना यातायात पन्ना से प्रारंभ होकर शहर के बी.टी.आई. चौराहा होते हुये, कोतवाली चौराहा, कटरा बाजार से गोविन्द जी चौराहा, बड़ाबाजार होते हुये अजयगढ चौराहे से होकर गाँधी चौक पन्ना में रैली का समापन किया गया । उक्त बाइक रैली का उद्देश्य लोगो को यातायात नियमो का पालन करने एवं यातायात नियमों के बारे में जागरूक करना है । बाइक रैली के माध्यम से पुलिस द्वारा आम लोगो से बाइक चलाते समय बाइक चालक एवं बाइक में पीछे बैठे व्यक्ति को भी हेलमेट पहनने एवं चार पहिया वाहन चलाते समय शीट बेल्ट का उपयोग किये जाने की सलाह देते हुये यातायात नियमो का पालन करने हेतु जागरूक किया गया ।

आलोक चतुर्वेदी एक संपूर्ण व्यक्तित्व सेवा, संघर्ष और सरलता के साथ जनता के दिल में उतरे

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा

छतरपुर। राजनीति के माध्यम से हम समाजसेवा एवं अपने क्षेत्र का विकास करेगें। इस वाक्य को लगभग सभी जनप्रतिनिधि प्रमुखत= से कहते हैं लेकिन गिनती के जनप्रतिनिधि ही इस वाक्य पर अक्षरश= खरे उतरते हैं। विगत चुनाव में छतरपुर विधानसभा से जनता का आर्शीवाद और स्नेह पाकर आलोक चतुर्वेदी विधायक चुने गए थे। उन्हें लोगों ने इस उम्मीद के साथ विजयी बनाया कि वह ढोंग, आडम्बर वाली दिखावटी सेवा, भ्रष्टाचार, फर्जी राजनैतिक केस, कमीशनवाजी, परिवारवाद, अवैध भूमि कब्जा, गुंडागर्दी, अवैध वसूली आदि के कुचक्रों से मुक्ति दिलाने के साथ-साथ क्षेत्र के विकास हेतु सतत प्रयास करेगें।

श्री चतुर्वेदी बीते 4 वर्षों में छतरपुर जिले के लोगो की उम्मीदों पर कितने खरे उतरे इसका मूल्यांकन किया जाना चाहिए। चाचा उपनाम से प्रसिद्ध छतरपुर विधायक

आलोक चतुर्वेदी के साथ मुझे भी अपने पूर्व अनुभव के कारण कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। इस दौरान उनकी कार्यशैली एवं व्यवहार को काफी करीब से आकलित करने का अवसर प्राप्त हुआ। मैंने हमेशा उनमें ढोंग, दिखावा, आडम्बर से कोसों दूर रहते हुए निरंतर जन सेवा का जुनून पाया है।

वे चुनाव लड़ने के पूर्व से ही छतरपुर में जलसंकट से जूझ रही जनता की सेवा करते आए हैं। पेयजल की समस्या के निराकरण हेतु अपनी स्वयं की पूंजी से लगातार कई वर्ष तक निःशुल्क पेयजल का वितरण करने वाले चाचा ने चुनाव जीतते ही सबसे पहले शहर की पेयजल समस्या के निराकरण हेतु तीव्रगति से प्रयास किया जिसकी परिणिति है कि आज शहर के 95 प्रतिशत हिस्से में नल के माध्यम से जल की नियमित सप्लाई हो रही है। अब शहर पेयजल की समस्या से लगभग मुक्त हो चुका है।

मुख्यमंत्री बघेल ने विधानसभा उपाध्यक्ष मनोज मंडावी के निधन पर गहरा दुख किया प्रकट

ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ अश्वनी अवस्थी

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपाध्यक्ष श्री मनोज सिंह मंडावी के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि श्री मंडावी वरिष्ठ आदिवासी नेता थे। उन्होंने नवगठित छत्तीसगढ़ के गृह राज्यमंत्री और विधानसभा के उपाध्यक्ष सहित अनेक महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित किया और प्रदेश की सेवा की। वे वर्ष 1998 में अविभाजित मध्यप्रदेश विधानसभा के तथा वर्ष 2013 और 2018 में छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। श्री मंडावी छत्तीसगढ़ आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष भी रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री मनोज सिंह मंडावी आदिवासी समाज के बड़े नेता थे। वे आदिवासियों की समस्याओं को विधानसभा में प्रभावशाली ढंग से रखते थे। श्री मंडावी आदिवासी समाज की उन्नति और अपने क्षेत्र के विकास के लिए सदैव प्रयासरत रहे। प्रदेश के विकास में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा। उनका निधन हम सबके लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने श्री मनोज सिंह मंडावी के शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपाध्यक्ष, वरिष्ठ आदिवासी नेता, भानुप्रतापपुर विधायक श्री मनोज सिंह मंडावी जी के आकस्मिक निधन का समाचार हम सब के लिए बेहद दुखद है। ईश्वर उनके परिवारजनों को यह आघात सहने की शक्ति दे. दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करता हूँ। ? शांतिः

केडीबीएम डायरेक्टर ने ताई कमांडो स्वर्ण पदक विजेता विधि कुशवाह का किया स्वागत

पुष्पांजलि टुडे÷
रिपोर्टर अभिषेक कुशवाह

सिरोंज-सीहोर में आयोजित राज्य स्तरीय शालेय ताइक्वांडो प्रतियोगिता जोकि 7 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2022 तक आयोजित हुई जिसमें मध्य प्रदेश के सभी 10 संभागों की टीमों ने भाग लिया जिसमे भोपाल संभाग की टीम में केडीबीएम इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा आदर्श ताइक्वांडो क्लब खिलाड़ी विधि कुशवाह पुत्री श्री सरदार सिंह कुशवाह ने अंडर 14 बालिका वर्ग में, वजन वर्ग अंडर 38 किलोग्राम में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में इंदौर और फाइनल में जबलपुर की खिलाड़ी को हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया और राष्ट्रीय शालेय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए मध्यप्रदेश की टीम में अपनी जगह सुनिश्चित की।विधि अब दिसंबर माह में होने वाली राष्ट्रीय शालेय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व करेगी। विधि के स्वर्ण पदक जीतने पर केडीबीएम डायरेक्टर श्री मति श्वेता आनन्द त्यागी ने प्रतिभा सम्मान समारोह में विधि का स्वागत किया और उसे अग्रिम शुभकामनाएं दी और अन्य छात्र-छात्राओं को भी खेलो के लिए प्रेरित किया आगे चल कर वो अपनी संस्था ओर प्रेदश ऐसे ही नाम रोशन कर साथ मे श्री मति श्वेता आनन्द त्यागी ने बताया खेल बहुत अच्छे शारीरिक और मानसिक व्यायाम के लिए सबसे अधिक आसान और आरामदायक तरीका है। यह व्यक्तित्व के वृद्धि तथा विकास के साथ ही देश के लिए भी उपयोगी होता है। हम नियमित रुप से खेलने के लाभ और महत्व को कभी भी अनदेखा नहीं कर सकते हैं। खेल एक व्यक्ति को अच्छी भावना प्रदान करता है और स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। यह हमें हमेशा तंदुरुस्त और स्वस्थ रखने के साथ ही मादक पदार्थों की लत, अपराध और विकारों की समस्याओं से दूर रखता है। सरकार द्वारा बच्चों और विद्यार्थियों को खेलों में भाग लेने के लिए बढ़ावा देने और इनके माध्यम से लोकप्रियता प्रदान करने के लिए खेलों का राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी आयोजन किया जाता है। कई सारे खेल बहुत ही साधारण होते है हालांकि इनमें महारत हासिल करने के लिए नियमित रुप से अभ्यास, ध्यान और मेहनत करने की आवश्यकता होती है। हमें हमारे बच्चों को खेलो के लिए प्रेरित करना चाहिए जिससे उनके व्यक्तित्व विकास के साथ उनका ओर प्रदेश का नाम रोशन हो

शालेय विद्यार्थी संघ की मानक गणवेश में निकली पथ संचलन में

पुष्पांजलि टुडे
सिरोंज। रविवार को सालो के विद्यार्थियों का पथ संचलन निकाला गया जिसमें विद्यार्थी संघ की मानक गणवेश में कदमताल करते हुए चल रहे थे जोकि केडीबीएम महाविद्यालय से प्रारंभ होकर कस्टम पथ मुख्य बाजार टाकीज चौराहे से कहार बाजार होते हुए केडीबीएम में जाकर समाप्त हुआ । जिसमे मुख्य वक्ता के रूप नगर विस्तारक राजगुरु जी का बौद्धिक हुआ साथ ही विभाग के शालेय विद्यार्थी प्रमुख एवं जिला शालेय विद्यार्थी प्रमुख उपस्थित रहे ।

हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई के उद्घाटन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण छत्रसाल महाविद्यालय में देखा गया

जिला ब्यूरो चीफ हरिचरण प्रजापति पुष्पांजली टुडे

पन्ना मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई के उद्घाटन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ एच एस शर्मा की अध्यक्षता में संपूर्ण स्टाफ एवं विद्यार्थियों के द्वारा देखा गया। पन्ना जिले के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री के बाला गुरु, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीना पांडे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री संतोष सिंह यादव महाविद्यालय में विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए और उन्होंने पूरा प्रसारण देखा। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा मेडिकल की हिंदी पुस्तकों का विमोचन किया गया एवं मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में प्रारंभ करने की पहल करने वाला मध्य प्रदेश पहला राज्य बनने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश को बधाइयां दी। इस गरिमामयी कार्यक्रम में अनेक गणमान्य नागरिकों सहित मध्य प्रदेश शासन के समस्त मंत्रीगण उपस्थित हुए। कार्यक्रम के सीधे प्रसारण पर पन्ना महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में

प्रारंभ किए जाने का स्वागत किया और करतल ध्वनि से मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ उषा मिश्रा, डॉ उमा त्रिपाठी, डॉक्टर एसएस राठौर, डॉ पी पी मिश्रा, डॉ विनय श्रीवास्तव, डॉ जे के वर्मा, डॉ राजीव सिंह,डॉ शिवगोपाल सिंह, डॉ राम मोहन तिवारी, डॉ गुलाब धर, श्री मयंक सिंह,डॉ डी पी कुशवाहा, डॉ मनोज कुमार,डॉ कविता परबंदा, डॉ नंदकुमार पटेल, डॉ सत्यप्रकाश बेरइया, डॉ ऋषभदेव साकेत, डॉ आनंद चौरसिया सहित महाविद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

पन्ना पुलिस द्वारा अवैध शराब निर्माण एवं भण्डारण करने वाले 01 आरोपी के विरूद्ध की गई कार्यवाही

आरोपी के कब्जे से 06 डिब्बो मे कुल 90 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब कीमती करीबन 18000/- रूपये एवं शराब बनाने के उपकरण जप्त

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा

पन्ना-देवेन्द्रनगर पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेशानुसार प्रदेश स्तर में चलाये जा रहे नशामुक्ति अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक पन्ना धर्मराज मीना के निर्देशन , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती आरती सिंह एवं जिले के समस्त अनु. अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना प्रभारियों को नशा मुक्ति अभियान के तहत अवैध शराब निर्माताओ/विक्रेताओ के विरूध्द कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देश दिये गये हैं । इसी तारतम्य में थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर निरीक्षक जयहिन्द शर्मा द्वारा अपने थाना क्षेत्र में अवैध शराब का निर्माण, भण्डारण, विक्रय एवं परिवहन करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया था । मुखबिर द्वारा पावर हाउस रोड शिव मंदिर के पास कंजडाना मोहल्ला देवेन्द्रनगर में एक व्यक्ति द्वारा अवैध शराब रखे होने की सूचना प्राप्त होने पर थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा रेड कार्यवाही की गई । रेड कार्यवाही के दौरान आरोपी के कब्जे से 06 प्लास्टिक के डिब्बो में अवैध देशी हाथ भट्ठी की बनी कच्ची महुआ की शराब मात्रा करीब 90 लीटर कीमती करीब 18000/- रूपये तथा शराब निर्माण करने के उपकरण दो नग टीना की रखे होना पाया गया जिसे मुताबित जप्ती पत्रक के जप्त कर आरोपी गिरफ्तार किया जाकर आरोपी के विरूद्ध थाना देवेन्द्रनगर में आबकारी एक्ट के तहत अपराध क्र 368/22 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । जप्त सामग्री -06 प्लास्टिक के डिब्बा मे करीब 90 लीटर अवैध देशी हाथ भट्ठी बनी कच्ची शराब कीमती करीब 18000/- रूपये, शराब निर्माण करने हेतु उपयोग किये गये 02 नग टीना । सराहनीय योगदान:- उक्त कार्यवाही में निरी जयहिन्द शर्मा थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर, उपनिरी शक्ति प्रकाश पाण्डेय, प्र. आर शैलेन्द्र बहादुर सिंह, आर जीतेन्द्र अचाले, भरत पाण्डेय, आदित्य कुशवाहा, रामकरण प्रजापति रामनिरंजन कुशवाहा चालक आर . धर्मेन्द्र द्विवेदी का सराहनीय भूमिका रही ।

पुरानी चीज़ों का सुइस्तमाल करें

दिवाली नज़दीक आ रही है, तो ज़ाहिर सी बात है सबके घर के कोने-कोने की साफ़ सफ़ाई होगी। खासकर स्टोर रूम और अलमारियों की। पर देखने वाली बात ये है की पिछले दस सालों में कुछ चीज़ों का इस्तमाल नहीं हुआ होता फिर भी हम, ÷कभी काम आएगी सोचकर वापस साफ़ करके रख देते है, और यूँ हमारा स्टोर रूम और अलमारियों की हालत कबाड़ खाने से भी गई गुजरी हो जाती है÷। या तो फिर महज़ दो सौ रुपये में कबाड़ी को बेच देते है। पर ये ख़याल किसीके मन में नहीं आता की तो क्या हुआ हमारे उपयोग की नहीं, किसी न किसी जरूरतमंद को इन चीज़ों की बेहद आवश्यकता होगी, क्यूँ न उनको दे दें। किसीकी जरूरत पूरी हो जाएगी और हमारे हाथों एक नेक काम हो जाएगा।

हमारे आसपास ऐसे बहुत सारे लोग है, जो भीख मांग कर अपना गुज़ारा करते है। उन्हें ढूँढ कर उनको जिस चीज़ की आवश्यकता हो वो उन्हें दे सकते है।

हमारे देश में सामाजिक मुद्दों में एक बहुत ही गंभीर मुद्दा आर्थिक असमानता के चलते भीख माँगने की समस्या का है। और यह बात तब ज़्यादा गंभीर हो जाती है जब इसमें छोटे बच्चों को भी शामिल कर दिया जाता है। भारत में बाल भिखारियों की संख्या बहुत बड़ी है। एक ऐसी उम्र में जब इन बच्चों को प्यार और देखभाल के साथ पोषण की जरूरत होती है, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य की जरूरत होती है ना कि दो वक्त की रोटी का जुगाड़ इन मासूमों के सर मढ़ दिया जाए। इन सारी चीज़ों से अधिकांश बच्चें वंचित है। और अपनी आजीविका के लिए भीख मांगने के लिए मजबूर है।

वो पसीजते मासूम जो दो वक्त की रोटी जुटाने की जद्दोजहद में खेलने कूदने की उम्र में उम्र से काफ़ी बड़े हो जाते है, उसकी अंदरूनी आहत का तो अंदाज़ा लगाना भी मुश्किल है।

आलिशान गाड़ी की खिडकी से झाँककर

सिग्नल पर फूल या खिलौने बेचने वाले बच्चों की आँखों में ढूँढना कभी असंख्य भाव मिलेंगे। एक लालसा, एक कमी, एक तड़प, एक इर्ष्या, तो कभी दो पाँच रुपये मिलने के बाद की खुशी, शून्य से तकते उस बच्चे की आँखों में गूँजते है कुछ स्थगित, हतोत्साहि सपने एक उम्मीद एक आस की यहाँ से पाँच रुपये मिल जाए तो दो पाऊँ से एक पहर की पेट की आग बुझा लूँ।

इन बच्चों में कई होनहार बच्चों की पढ़ने लिखने की खूवाहिश भीतर ही ध्वस्त हो जाती होगी। अगर हम आर्थिक तौर पर सक्षम है तो उसका हाथ थामकर एसे किसी बच्चे का जीवन सँवारने में सहायक बन सकते है।

कहाँ कोई ओर शौक़ पालना परवड़ता है फटे पुराने जूते-कपडों में साल गुज़र जाता है। सवाल ये नहीं की ये इनकी किस्मत है, सवाल ये है हम क्या कर सकते है इनकी किस्मत सँवारने की ख़ातिर। पर हमें पता नहीं होता कौन सही में सच्चा है कौन झूठा। इसलिए किसीको भी पैसा मत दो।

ज़्यादा कुछ नहीं बस अपने बच्चों के कुछ कपड़े, जूते, खिलौने, किताबें ज़्यादा पुराने होने से पहले जरुरतमंद बच्चों में बाँट दे तो इनकी बहुत बड़ी मदद हो सकती है।

इनको काम दें ओर भीख नहीं पर काम दिलाकर मेहताने के तौर पर पैसे दें,

समाज मैं समानता तो नहीं ला सकते पर ऐसे बच्चों के प्रति हम सबका भी कुछ फ़र्ज़ बनता है। आत्मग्लानी से अच्छा है आत्मसंतोष पाएँ। एक नेक काम करके जो संतोष मिलता है वो करके क्यूँ ना समाज के प्रति अपना फ़र्ज़ निभा लें।

तो आज से प्रण लें की अपने घर की पुरानी चीज़ों का सुइस्तेमाल किसी जरुरतमंद की मदद करने में करेंगे ना की महज़ 100 रुपये के लिए रद्दी वालें को देंगे।।

भावना ठाकर %भावु% बेंगलोर

शीतला माता मंदिर पर रामधुन के साथ किया गया विशाल भंडारा

रिपोर्टर -¬प्रतिश अग्रवाल
पुष्पांजली टुडे

मधुसुदनगढ़ के गुना रोड़ तिलक चौक पर स्थित शीतला माता मंदिर जहां नवरात्रि महोत्सव में बहुत ही आकर्षित झांकी सजाई गई थी नवरात्रि के पश्चात कन्या भोज कराया जाता है तो श्री आदर्श नवदुर्गा शीतला माता मंदिर समिति द्वारा 24 घंटे रामधुन कराई गई जिसमे आस पास क्षेत्र से मिलाकर कुल 28 मंडली आई और आकर उन्होंने भी रामधुन में हिस्सा लिया साथ साथ ही सभी नगरवासियों ने प्रेम सदभाव से माता रानी का प्रसाद घृण किया और अपने अपने हिसाब से सेवा दी। शीतला माता मंदिर पर विशाल भंडारा दोपहर 2 बजे से शुरू होकर रात्रि तक प्रशादी सभी नगरवासी लेते रहे एवं भंडारे में हिंदू मुस्लिम एकता भी नजर आई समिति से मिली जानकारी में बताया गया की माता रानी के प्रसाद में 6000 लोगो प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित रहे और हमारे बीच पूर्व जिला पंचायत सदस्य बल्लू जी चौहान (कालापहाड़ वाले) युवा नेता अनिरुद्ध मीना(पेंची) वार्ड 3 के पार्षद प्रतिनिधि प्रदीप शर्मा वार्ड 4 के पार्षद प्रतिनिधि राजपाल सिंह (राजा बाबू) ने पहले रामधुन में लीन होकर आनंद लिया तदपश्चात प्रसादी भी घृण की इसी प्रकार श्री आदर्श नवदुर्गा शीतला माता मंदिर समिति द्वारा नगर में सकुशल कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ग्राम पंचायत पहाड़ा खुर्द में सेल्समैन समरत लोधी ने 400 किलो राशन की कालाबाजारी भ्रष्टाचार पर भ्रष्टाचार गरीब लोगों के साथ खिलवाड़

सेल्समैन समरतल लोधी ने गरीबों का हक खाया गरीब लोग एक एक अनाज को मोहताज

राकेश परिहार पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी। खनियाधाना अंतर्गत ग्राम पंचायत पहाड़ा खुर्द का मामला सामने आ रहा है जहां पर सेल्समैन समरत लोधी द्वारा शासकीय उचित मूल्य की दुकान का संचालन करता है परंतु गरीब लोगों के लिए शासन की योजनाओं का संभावित लाभ नहीं मिल पा रहा है इसी क्रम में देखा जाए तो माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी द्वारा बच्चों को जो मूग दी गई थी उसका आज भी आवंटन उन्हीं के पास स्टॉक में रखा हुआ है 8 कुंटल 88 किलो जो अप्रैल माह में आई थी और आपको बता दें कि मोटा अनाज बाजरा 8 कुंटल 99 किलो गेहूं रेगुलर 207 कुंटल 29 किलो माननीय प्रधानमंत्री पीएम आवास योजना का गेहूं फ्री वाला चल रहा है वह आज भी 17 कुंटल 39 किलो रखा है पी एम जी चावल 100 कुंटल 16 किलो मशीन में स्टॉक बोल रहा हैआज भी रखा है रेगुलर चावल 92 कुंटल 40 किलो शक्कर 21 किलो उसका अभी तक वितरण क्यों नहीं हुआ पंचायत पहाड़ा खुर्द में सेल्समैन समरत लोधी भी गरीब लोगों का हक छीन रहा है एवं गरीब लोगों का अनाज लेकर कालाबाजारी करता है गरीब लोगों के लिए अभी तक अनाज नहीं दिया गया है स्वयं सेल्समैन दिन रात कालाबाजारी की कगार पर खड़ा है ग्रामीण जनों का कहना है दुकान हर महीने मैं 2 दिन खुलती है वैसे शासन द्वारा पूरे महीने खुले चाहिए और पहाड़ा खुर्द में इतना भ्रष्टाचार मचा हुआ है इसकी कोई हद नहीं है ग्रामीणों का माल रातों-रात सेल्समैन द्वारा कालाबाजारी की जाती है और हम लोगों के लिए किसी भी प्रकार से राज नहीं मिल पाता है अगर अनाज हितग्राही पर्ची लेकर सेल्समैन उचित मूल्य की दुकान पर जाता है तो उस सेल्समैन यह कह देता है कि अभी शासन से अनाज आया नहीं है परंतु हकीकत कुछ और है दिनदहाड़े काले कारनामों का काला खजाना बाजार में जाकर तेजी से कालाबाजारी करता है ग्रामीण जनों ने बताया कि अगर हमारी सुनवाई यहां तहसील स्तर पर नहीं हुई तो हम लोग संगठन करके शिवपुरी जिलाधीश महोदय के समक्ष धरना प्रदर्शन करेंगे इसलिए जब तक हमारी कोई सुनवाई नहीं होती है।

बीटी स्कूल बदरवास में बाल कवि सम्मेलन आयोजित

खबर शिवपुरी जिले के कोलारस अनुभाग के बदरवास से हैं जहाँ बीटी स्कूल की बिटिया से मिलने दिल्ली से कवि चिराग जैन बदरवास आए

अरुण कुशवाह कोलारस रिपोटर पुष्पांजलि टुडे

बदरवास-नगर में संचालित बीटी स्कूल की एक बिटिया का कविता मैं दुर्गा हूं कमजोर नहीं पढ़ते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसे कवि चिराग जैन ने देखा और अपनी फेसबुक से पोस्ट करते हुए लिखा कि इस बच्ची को कोई जानता हो तो मुझे इसका संपर्क सूत्र उपलब्ध कराए मैं इसके साथ सेल्फी लेना चाहता हूं। इस वीडियो को दो लाख लोगों ने देखा और बीटी स्कूल के संचालक घनश्याम शर्मा ने चिराग जैन से संपर्क कर उन्हें आमंत्रित किया। चिराग जैन देश के बड़े प्रसिद्ध कवि हैं जो लपेटे में नेताजी, वाह भाई वाह आदि शो में टीवी चैनल पर कविता सुनाते दिखते हैं।

कवि चिराग जैन के मुख्य आतिथ्य में बीटी स्कूल में बाल कवि सम्मेलन का आयोजन रखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि चिराग जैन, विशिष्ट अतिथि प्रदीप दुबे सुकून शिवपुरी, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के धर्मेंद्र चतुर्वेदी, संजय झा एवं घनश्याम शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। पहले सत्र में बीटी स्कूल के नन्हें मुन्ने बच्चों ने सुप्रसिद्ध कवियों की एक से बढ़कर एक कविताएं सुनाई जिन्हें उपस्थित अतिथियों द्वारा खूब सराहा गया। दूसरे सत्र में विशिष्ट अतिथि शायर सुकून शिवपुरी ने शायरी एवं गजल पढ़ी उसके बाद अतिथि निकुंज शर्मा ने एक गीत पढ़ा फिर संचालक घनश्याम शर्मा ने एक गीत पढ़ा और अंत में मुख्य अतिथि चिराग जैन ने बच्चों से बातचीत की और कविताएं सुनाई। सभी अध्यापक और अध्यापिकाओं ने बच्चों की तैयारी करवाई थी जिसकी अतिथियों ने प्रशंसा की। अंत में आभार व्यक्त किया गया और सभी बच्चों ने कवि चिराग जैन से ऑटोग्राफ लिया

सीएम राइज स्कूल में हिंदी विमर्श संगोष्ठी का हुआ आयोजन

अरुण खंगार रिपोर्टर पुष्पजली टुडे

पोहरी में सीएम राइज स्कूल में आज शनिवार को हिंदी विमर्श संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप मे p.2.d. राज्यमंत्री सम्मलित हुए वही विशिष्ठ अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष अशुतोष जैमिनी मोतीलाल खंगार विकास खंड शिक्षा अधिकारी पहुचें। जहां सर्वप्रथम माँ सरस्वती की तस्वीर पर माल्यर्पण कर दीप प्रज्वलित किया तत्पश्चात स्कूल के स्टाफ द्वारा सभी अतिथियों का माल्यर्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम में मंच संचालन का कार्य बीएसी भरत सिह धाकड़ द्वारा किया गया। प्राचार्य एम.के.शर्मा द्वारा राज्यमंत्री सुरेश धाकड़ राठखेड़ा को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री सुरेश धाकड़ ने सभी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश में पहला राज्य मध्यप्रदेश है जहां मेडिकल, इंजीनियरिंग की पढ़ाई अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी की जाएगी। ऐसे में अब छात्र-छात्राओं को असुविधा नही होगी। हिंदी माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र-छात्राएं, जो मेडिकल फील्ड में जाना चाहते हैं एक चिकित्सक के रूप में अपनी सेवाएं देना चाहते हैं वह भी मेडिकल की पढ़ाई सहज तरीके से कर सकेंगे।

यात्रा साहित्य हमारी प्राचीन संस्कृतिः गौतम

साहित्य परिषद का देश परदेश पुस्तक का वाचन कार्यक्रम सम्पन्न।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद की 5 और 6 नबम्बर को जिले में होगी यात्रा।

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-अखिल भारतीय साहित्य परिषद मध्यभारत प्रान्त की यात्रा वृतांत शिवपुरी जिले में भी 5 और 6 नबम्बर को आयोजित होगी,इसी कड़ी में स्थानीय जल मंदिर मैरिज हॉउस में अन्तराष्ट्रीय यात्रा पुस्तक देश परदेश के चुनिंदा संस्मरणों का वाचन आयोजन सम्पन्न हुआ,जिससे स्पष्ट हुआ कि यात्रा किस तरह होती है व किस तरह से यात्रा वृतान्त लिखे जाते है। अखिल भारतीय साहित्य परिषद जिला शिवपुरी द्वारा आयोजित देश परदेश वाचन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षाविद पुरुषोत्तम गौतम,वरिष्ठ लेखक व पत्रकार प्रमोद भार्गव व कवि डॉ मुकेश अनुरागी मंचासीन रहे।सर्वप्रथम यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए साहित्य परिषद के प्रांतीय महामंत्री आशुतोष शर्मा ने बताया कि 1 नबम्बर से 30 नबम्बर तक मध्यभारत प्रान्त में हर जिले में यात्रा आयोजित होगी,यात्रा के आलेखों का संकलन पुस्तक रूप में व उस पुस्तक का विमोचन प्रांतीय स्तर पर 30 दिसम्बर तक होगा।इसी कड़ी में शिवपुरी जिले में 5 नबम्बर को नरवर व 6 नबम्बर को कोलारस क्षेत्र में यात्रा आयोजित की जायेगी।इस यात्रा में साहित्यकार,लेखक,पत्रकार व नव साहित्यकार सम्मिलित होंगे।

यात्रा वृतांत की अंतराष्ट्रीय पुस्तक श्रीधर पराड़कर ने जिसका संपादन किया है पर बोलते हुए पुरुषोत्तम गौतम ने कहा कि वाल्मीकि ऋषि हो या महर्षि नारद,सभी यात्रा किया करते थे तथा उन यात्रा संस्मरणों को हम आज भी पढ़ते है तो यात्रा संस्मरण हमारी प्राचीन संस्कृति है।इसी प्राचीन संस्कृति से साक्षात्कार इस यात्रा वृतांत से मिलने वाला है। वरिष्ठ लेखक प्रमोद भार्गव ने कहा कि यात्रा के माध्यम से हम क्षेत्र विशेष की जानकारी प्राप्त करते है।आज जो है वह कल नही होगा।जैसे उज्जैन का ही हम उदाहरण ले कि आज उज्जैन का कायाकल्प हो चुका है तो जो 11 तारीख से पहले उज्जैन में था क्या वह अब दिख पायेगा लेकिन यात्रा संस्मरणों से उस क्षेत्र की वस्तुस्थिति व सम्पूर्ण जानकारी से हम अवगत होते हुए अन्य लोगो तक वह जानकारी पहुचा सकते है।इससे पूर्व अखिल भारतीय साहित्य परिषद के जिलाध्यक्ष प्रदीप अवस्थी ने देश परदेश से सांस्कृतिक वैभव की नगरी उज्जैन डॉ आदित्य कुमार अंशु के द्वारा लिखित यात्रा संस्मरण का वाचन किया।इसी तरह डॉ मुकेश अनुरागी ने ग्वालियर के आसपास डॉ उर्मिला सिंह द्वारा लिखित यात्रा संस्मरण का वाचन कर सभी को यात्रा संस्मरण से संबंधित जानकारी प्रदान की। 5 और 6 नबम्बर को यात्रा में सम्मिलित रहने वाले साहित्यकार नव साहित्यकार लेखक व पत्रकार उक्त आयोजन में सम्मिलित हुए।कार्यक्रम का संचालन विकास शुक्ल प्रचंड ने तो आभार प्रान्त मीडिया प्रभारी जयपाल जाट ने ज्ञापित किया।

शिवपुरी से ऐतिहासिक नरवर हेरिटेज यात्रा बॉक संपन्न

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- राजा नल की ऐतिहासिक नगरी नरवर में जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद शिवपुरी, श्री लोढ़ी माता ट्रस्ट कमेटी नरवर एवं नगर परिषद नरवर के संयुक्त तत्वाधान में हैरिटेज वॉक का आयोजन किया गया।

ऐतिहासिक नगरी की यात्रा का शुभारंभ प्रातः 7 बजे पोलो ग्राउंड पर कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह द्वारा खुद बस में सवार होकर किया और बस यात्रियों को मध्यप्रदेश राज्य सहकारी पर्यटन संघ के अध्यक्ष कुंवर अरविंद तोमर द्वारा हरी झंडी दिखाई गई।

यात्रियों के साथ बस में सवार कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह द्वारा चर्चा कर उनसे अपने अनुभव साझा करते हुए उन्हें ऐतिहासिक नगरी नरवर दुर्ग और लोड़ी माता मंदिर सहित मणिखेड़ा डैम के सामूहिक भ्रमण बॉक् पर जाने की बधाई दी और शीघ्र शिवपुरी जिले के विभिन्न पर्यटक स्थलों के भ्रमण की योजना जिले के गणमान्य व्यक्तियों समूह और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पत्रकार और जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया।

उक्त कार्यक्रम में शिवपुरी जिला प्रशासन के अधिकारीगण, ढ्ढक्रक्चकरैरा के जवान और स्कूली बच्चे तथा टीचर्स शामिल हुए। इस अवसर पर जिला पर्यटन सहकारी संस्था के प्रबंधकमहेंद्र सिंह राजावत, जिला शिक्षा विभाग के खेल अधिकारी महेंद्र सिंह तोमर सौरभ गोड, दिनेश वशिष्ठ वरिष्ठ पत्रकार मेहताब सिंह तोमर एवं अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

नरवर में सभी यात्रियों का श्री लोढ़ी माता मंदिर पर अतिथियों के तिलक और फूलमाला से स्वागत के साथ किया गया। अतिथियों का स्वागत नगर परिषद अध्यक्ष श्री पदमा-संदीप माहेश्वरी, श्री संदीप माहेश्वरी नरवर तहसीलदार नीरज शर्मा एवं श्री लोढ़ी माता ट्रस्ट कमेटी के सदस्यों मनोज माहेश्वरी एवं अन्य लोगों द्वारा किया गया।श्रीलोढ़ी माता मन्दिर पर अतिथियों को स्वल्पाहार कराया गया, जिसके बाद 10.30 बजे से हैरिटेज वॉक के तहत किले पर चढ़ाई शुरू की गई।

नरवर किले का भ्रमण कराते हुए किले की स्थापत्य कला का विशाल चौरसिया और ऐतिहासिक तथ्यों का पवन सिंह बैश एवं दिनेश वशिष्ठ ने विस्तारपूर्वक वर्णन हैरिटेज वॉक के सहभागियों के समक्ष किया, जिसे सभी ने बड़े रोमांच के साथ सुना और उत्सुकता के साथ किले का भ्रमण किया।

नरवर दुर्ग के महत्वपूर्ण स्थल घूमने के बाद किले पर स्थित प्रसिद्ध श्री पसरदेवी माता मंदिर पर सभी ने भोजन किया। नरवर किले पर शिवपुरी जिले के प्रसिद्ध एडवेंचर विशेषज्ञ साबिर खान द्वारा बच्चों के लिए बनाए गए एडवेंचर झूलों का बच्चों ने जमकर लुफ्त लिया

कार्यक्रम का समापन श्री चौदह महादेव मन्दिर पर हुआ, जिसमें पुलिस अधीक्षक श्री राजेश सिंह चन्देल उपस्थित रहे और स्कूली छात्र-छात्राओं से रूबरू हुए तथा हैरिटेज वॉक में शामिल हुए आगंतुकों से नरवर भ्रमण पर उनके अनुभवों को साझा कर उनका उत्साहवर्धन किया।

बाल विवाह मुक्त भारत 'सुरक्षित बचपन सुरक्षित भारत' अभियान का शुभारंभ

बाल विवाह का कड़ाई से विरोध करने की ली गई शपथ

हजारीबाग(पुष्पांजली टुडे)-बाल विवाह जैसी कुप्रथा के रोकथाम के लिए झारखंड सरकार संवेदनशील है तथा बाल विवाह के रोकथाम हेतु बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 लागू है। इसी क्रम में आज उपायुक्त नैंसी सहाय के निर्देशानुसार बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ कार्यक्रम के तहत जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, सभी विद्यालय, पंचायत भवन, सभी बालगृह व अन्य विशेष जगहों में बाल विवाह मुक्त भारत के शपथ का आयोजन किया गया एवं दीया जलाकर बाल विवाह के विरुद्ध जन जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदू प्रभा खलखो ने बताया कि सभी स्थलों में आयोजित बाल विवाह को रोकने हेतु विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सार्वजनिक संकल्प लिया गया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने समाज में होने वाले बाल विवाह से संबंधित कार्यक्रम में शामिल न होने तथा ऐसे आयोजनो पर कड़ाई से विरोध करने की शपथ ली।

शरदोत्सव पर काव्य रस वर्षा : मध्यभारतीय हिन्दी साहित्य सभा ने मनाई गई वाल्मीकि जयंती एवं शरद पूर्णिमा उत्सव

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। मध्यभारतीय हिन्दी साहित्य सभा, दौलत गंज ,लश्कर, ग्वालियर के तत्वावधान में गत दिवस शरद पूर्णिमा उत्सव , वाल्मीकि जयंती एवं मासिक ईगित काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.कृष्ण मुरारी शर्मा ने की, मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ गीतकार एवं साहित्य परिक्रमा के पूर्व संपादक मुरारीलाल गुप्त गीतेश रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में साहित्यकार लालता प्रसाद दोहरे मंचासीन रहेइस अवसर पर साहित्य सभा के अध्यक्ष डॉ.कुमार संजीव विशेष तौर पर सभा प्रतिनिधि के रूप में मंचासीन रहे। कार्यक्रम में महर्षि वाल्मीकि जयंती शरद पूर्णिमा उत्सव एवम् ईगित काव्य गोष्ठी में राष्ट्रभक्ति भावपूर्ण एवं समसामयिक विषयों पर मौलिक रचनाओं की सुन्दर प्रस्तुति हुई। प्रारम्भ में अतिथियों द्वारा महर्षि

वाल्मीकि के चित्र एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। सरस्वती वंदना डॉक्टर करुणा सक्सेना ने सुमधुर स्वर में प्रस्तुत की। अतिथियों का परिचय एवं कार्यक्रम की रूपरेखा राम चरण रुचिर कार्यक्रम संयोजक एवं प्रचार -प्रसार मंत्री ने प्रस्तुत की। तत्पश्चात कार्यक्रम का संचालन डॉ. करुणा सक्सेना ने प्रारंभ किया। काव्यपाठ के क्रम में राज किशोर वाजपेई *अभय ने कहा, मावस कितनी भी आ जावे, तम की चाहे घिरे घटाएं ।साथी सभी अकेला छोड़े उलझन जब छोड़ न पाए ,उम्मीदों का दिया जलायें,मनचाहा सब जग में पाएं। मुख्य अतिथि के रूप में अपनी बात को रखते हुए वरिष्ठ गीतकार मुरारी लाल गुप्त गीतेशने साहित्य के सृजन को निरंतर जारी रखने का आह्वान किया, एवं रचना पाठ करते हुए उन्होंने कहा ग्रंथ बनना चाहते थे हम भूमिका भी हो नहीं पाए । बिन परिश्रम की फसल मिल सके बीज ऐसे हम बो नहीं पाए। अगली रचना पढ़ते हुए उन्होंने कहा अमृत भरा है चांदनी में पी सको तो तुम पियो। प्रीति से अनुबंध करने जी सको तो तुम जियो। बहुत ही सराहनीय काव्यपाठ किया । अगले क्रम में पूर्व उपाध्यक्ष दिलीप मिश्रा,ने शरद के चांद से युवाओं पर अमृत बरसाने का आवाहन करते हुए काव्य पाठ किया, इसी प्रकार विजय कृष्ण योगी ने कहा , समय की धरा को कर्म के हल से जोते ते जाना । बीज सृजन का उसमें फिर बोते जाना। क्रम को आगे बढ़ाते हुए राजेश अवस्थी लावा ने कहा वन्दे मातरम् ज्योतिपुंज है, राष्ट्रभक्त सम्मान का। वन्दे मातरम् सत्य सनातन मेरे देश महान का। कवियत्री पुष्पा मिश्रा आनंद ने कहा न राधा बनाना, न मीरा बनाना। मुझे मेरे कान्हा सुभद्रा बनाना । शरद ऋतु पर सुंदर दोहा पढ़ते हुए राम चरण रुचिर ने कहा शरद ऋतु का आगमन मन में भरे उमंग। धरती अम्बर जीव जड़ सबको भाए तरंग।। राष्ट्रभक्ति पूर्ण रचना पढ़ते हुए उमा उपाध्याय ने कहा, एक जज्बा एक जुनून एक जोश होना चाहिए। रक्त में जिसके उबाल आए वो तूफान होना चाहिए ,इसी क्रम में अमर सिंह यादव ने कहा शहीद की मां किसी मां से कम नहीं होती। कायर की बागवत में कोई दम नहीं होती। उदय भान रजक ने इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए कहा हम तन समर्पित करते हैं, हम मन भी समर्पित करते हैं , पीछे हटेंगे ना मरते दम तक हम शपथ ये करते हैं। डॉ रमेश कटारिया पारस ने कहा दीपक तले अंधेरा क्यों है , ओझल अभी सवेरा क्यों है, क्यों सब नहीं हैं साझा घर में ,वो तेरा यह मेरा क्यों है। माता प्रसाद शुक्ल ने अपनी रचना पढ़ते हुए कहा, मैं शजर हूं मुझसे क्या ले जाएगा ,जो भी आएगा हवा ले जाएगा।

एडिप योजना के अंतर्गत दिव्यांग जनों हेतु सामाजिक उपकरण के लिए परीक्षण शिविर - संध्या राय

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड द्य भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिंड दतिया लोकसभा सांसद संध्या राय के अथक प्रयासों से एडिप योजना के अंतर्गत मंत्रालय द्वारा 2 वर्षों से मंत्रालय ने स्वीकृति प्रदान की है दोनों जिला इस योजना का लाभ लेकर आत्मनिर्भर विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम कर रहे हैं मैं उनके प्रति आभार प्रकट करती हूं इसी योजना के तहत अक्टूबर माह में सामाजिक अधिकारिता शिविर के माध्यम से दिव्यांगजनों को योजना का लाभ दिलाने हेतु परीक्षण शिविर का आयोजन भी विभिन्न विभिन्न तारीखों में किया जा रहा है द्य भाजपा सांसद बताया कि सामाजिक अधिवक्ता शिविर एडिप योजना के अंतर्गत 18 अक्टूबर को जनपद पंचायत गोहद, नगर पालिका गोहद, नगर पंचायत मालनपुर, एवं मो में इसी दिन जनपद पंचायत मेहगांव, नगर पंचायत गोरमी, मेहगांव, द्वितीय दिवस में 19 अक्टूबर को जनपद पंचायत रोन, नगर पंचायत मिहोना में इसी दिन जनपद पंचायत लहार नगर पालिका लहार नगर पंचायत दमोह आलमपुर, 20 अक्टूबर को जनपद पंचायत अटेर, जनपद पंचायत भिंड, नगर पालिका भिंड, नगर पंचायत एवं अकोड़ा के दिव्यांगजन अपना परीक्षण कराने के लिए सम्मानित पंचायतों में पहुंचकर अपना आवेदन जमा करें ताकि उनका परीक्षण कराकर योजना का लाभ प्राप्त करें द्य उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिव्यांगजनों के लिए कई योजना प्रारंभ की है हमारी सरकारों ने अंत्योदय के दिव्यांग जनों की सेवा के लिए कार्य करने का जनसेवा भाव से किया है । मैं दोनों जिले के दिव्यांगजनों से अपील करती हूं कि अपना अधिक से अधिक संख्या में आवेदन कराकर योजना का लाभ प्राप्त करें ।

स्थानांतरण पर वन अमले के द्वारा दी गई विदाई

उपवनमण्डलाधिकारी राजा खरे एवं मध्यप्रदेश रेंजर्स फारेस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष वन क्षेत्रपाल शिशुपाल अहिरवार का हुआ स्थानांतरण

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

लांजी वन विभाग में पदस्थ उपवनमण्डलाधिकारी राजा खरे एवं पूर्व तथा पश्चिम सामान्य में सेवाऐ दे चुके मध्यप्रदेश रेजंर्स फारेस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष वन क्षेत्रपाल शिशुपाल अहिरवार को उनके स्थानांतरण पर वन अमले के द्वारा विदाई समारोह आयोजित कर विदाई दी गई। आयोजित समारोह में प्रमुख रूप से श्रीमती ज्योति ठाकुर एस.डी.एम. लांजी, सतीश चौधरी तहसीलदार, श्रीमती प्रिती अहिरवार, नेहा घोडेश्वर वन परिक्षेत्र अधिकारी पूर्व लांजी एवं समस्त वन अमला तथा पत्रकार बंधुओं की उपस्थिती में कार्यक्रम आयोजित किया गया। विदाई कार्यक्रम में वनपरिक्षेत्र अधिकारी शिशुपाल अहिरवार के द्वारा सर्वप्रथम सबोधित करते हुये कहा गया की लांजी में मेरा 3 वर्ष कार्यकाल रहा है जंहा पर मुझे वन क्षेत्र के प्रत्येक परिस्थितियो की जानकारी एवं कार्यकरने का मौका मिला, हमारे लिये सबसे महत्वपूर्ण होता है हमारा वन अमला जो हमारी रीढ की हड्डी की तरह कार्य करता है इनके बीना हम कुछ भी नही है। हमने वाईल्ड लाईफ से लेकर अवैध गतिविधियो पर भी कार्य किया है वन सुरक्षा समितियो के द्वारा भी हमे भरपुर सहयोग प्रदान किया जाता है। क्षेत्र की जनता का भी हमे पुरा सहयोग मिला मै सभी का धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, वंही आपने इन 3 वर्षो का अनुभव भी वन अमले के साथ साझा किया और कुछ ऐसे जानकारी भी दी जो कि वन अमले को अपने सेवा के दौरान उपयोगी होगी। इसी कडी में एसडीओ राजा खरे द्वारा भी संबोधित करते हुये कहा गया की मेरा 2 वर्ष का लांजी में अनुभव काफी अच्छा रहा मेरी यह पहली पदस्थापना है टेनिंग की बाद की, बालाघाट जिला संपूर्ण वन संपदा का क्षेत्र है जंहा आपका वाईल्ड लाईफ, उत्पादन, जंगल क्षेत्र में, वन महाविद्यालय भी है जंहा आपको सब कुछ सीखने मिलता है बालाघाट मे आप सब कुछ सीख सकते है मै भी बहुत कुछ सीख कर जा रहा हूँ, मेरे साथ कार्य करने वाले सभी रेजर्स, डीप्टी एवं समस्त वन अमला आप सभी ने मेरा भरपुर साथ दिया बहुत कुछ सीखने का भी मिला, कुछ उपयोगी जानकारी के माध्यम से आप ने वन अमले को जानकारी भी प्रदान की तथा आगामी दौर में दोबारा आप लोगो के साथ कार्यकरने का मौका मिले इन सभी बातो के साथ अपना संबोधन पूर्ण किया। अग्रिम दौर में एसडीएम ज्योति ठाकुर एवं तहसीलदार सतीश चौधरी, वनपरिक्षेत्र अधिकारी नेहा घोडेश्वर के द्वारा भी एसडीओ राजा खरे एवं शिशुपाल अहिरवार जी के अपने अपने क्षेत्र मे स्थानांतरण पर बधाई प्रेषित करते हुये उज्जवल भविष्य की कामना की गई, तथा अंत में वन विभाग के द्वारा एसडीओ खरे जी एवं अहिरवार जी को सप्रेम स्वरूप उपहार प्रदान किया गया जो कि हमेशा दोनो ही अधिकारियो को लांजी की याद में दिलायेगा। कार्यक्रम मे अपने शायरियो के माध्यम से सफल मंच संचालन महेश नंदा के द्वारा किया गया, कार्यक्रम समाप्ति के पश्चात सभी ने साथ मिलकर भोजन किया। इस दौरान वन विभाग लांजी से आशिष नागेश्वर, सुनिल खोंगल, देवेन्द्र सहारे, गोविन्द राव तुरकर , संतोष सोनवाने,इलियास खान, महेश नंदा, संजय सिंह चौहान, नारायण सिंह टेकाम, भीकन नारायण कंगाली, शिशांत कुमार सिंह,जय प्रकाश घोरमारे, सुनील नेवारे, राधेश्याम घोरमारे, जितेन्द्र उइके, राहुल उके,पियुष यादव, टेकचंद मेश्राम, राधेश्याम ताराम, प्रेमलाल गायकवाड़, भूपेंद्र चौके, नसरत सिद्दीकी, दिनेश खैरवार, शैलेन्द्र रामटेकर, सतीश वर्मा, नितिन शेंडे, सुश्री छोटी धुर्वे एवं सभी के परिवारिक सदस्य गण उपस्थित रहे।

प्रशासन का ध्यान किधर है बी एल ओ का भ्रष्टाचार इधर है

पवन विश्वकर्मा रिपोर्टर पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मो नगर 11वर्ड के बी एल ओ 4 महा से साधना जैन बोर्ड नहीं जोड़ रही है, साधना जैन का कहना है की हवा में काम नहीं होता है नहीं

ऑनलाइन कोई सिस्टम होता है ,मुझे तो पर्ची कटवा के दे दो और गोदया, भिंड मै जाकर जमा करो भिंड जाओगे तो बन जाएगा हमारे यहां तो समय लगता रहता है/(हथेली पर आम नहीं लगते) ग्राम जखारा का बी एल ओ गंधर्व सिंह काफी काफी समय के बाद ऑनलाइन काटा जो एक रिजेक्ट हुआ और एक कटा है मैंने ऑनलाइन अप्लाई किया था वह वह रिजेक्ट हो रहा है 4महीना हो गाए उच्चा कार्ड नहीं बन पा रहा है ना ही कोई दवाई मिल पा रही है ग्राम जखारा जनपद पंचायत मुरार जिला ग्वालियर का रहने वाला हूं मो नगर 11 बर्ड में डेढ़ साल से निवास कर रहा हूं 181 हेल्पलाइन पर शिकायत करने पर कोई सुनवाई नहीं होती है जारी जारी कहकर फोन काट दिया जाता है

बैसली नदी में डूबने से 20 वर्षीय युवक की मौत।

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद। गोहद थाना क्षेत्र अंतर्गत कौशल पुत्र गंभीर सिंह यादव उम्र 20 वर्ष की गंगा दास का पुरा

स्थित पुल के पास नदी में डूबने से मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार कौशल यादव दोपहर लगभग 1-30 बजे नदी में रोजाना की तरह नहाने गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कौशल यादव नदी में तहर लेते थे और रोजाना अपने साथियों के साथ नदी में नहाते थे परंतु आज अचानक कौशल यादव नदी में नहाते समय नदी में डूब गए डूबने से उनकी नदी के अंदर ही मृत्यु हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कौशल यादव को डूबते ही तत्काल नदी से निकाला भी गया परंतु डूबते डूबते ही उनकी नदी के अंदर मृत्यु हो गई थी। नदी में डूबने की सूचना जैसे ही नदी से लगभग 200 मीटर दूर उनके घर व गांव में पहुंची तो गांव में मातम पसर गया। कौशल की मृत्यु के कारण उनके घर वालों और रिश्तेदारों का रो रो कर बुरा हाल है।

खण्डेलवाल हैंडलूम सेंटर के संचालक ने अपने माँ-बाप की स्मृति में श्मशान घाट में कराई शुद्ध पेयजल की व्यवस्था

खिरगांव मुक्तिधाम में लगवाया फंगस फ्री वॉटर कूलर, जहां मिलेगा गर्म, ठंडा और नॉर्मल शुद्ध फ़िल्टर पेयजल

जरुरतमंद लोगों के सुविधा को ध्यान में रखकर कराई है ये सुविधा, दादी के अंत्येष्टि के वक्त आया इस काम का सोच

हजारीबाग(पुष्पांजली टुडे) = शवों के अंतिम संस्कार को हजारीबाग के खिरगांव स्थित मुक्तिधाम श्मशान घाट पहुंचने वाले लोग घाट पहुंचने से पहले शुद्ध पानी के लिए पानी बोतल लेकर या पानी का इंतजाम करके ही पहुंचते थे लेकिन अब इसकी जरुरत नहीं होगी। रविवार को शहर के कपड़ा व्यवसाई खंडेलवाल हैंडलूम के संचालक राजेंद्र प्रसाद खंडेलवाल ने अपने पिता रामविलास लाल खंडेलवाल एवं माता सावित्री देवी खंडेलवाल की पुण्य स्मृति में अपने सामाजिक सोच के युवा पुत्र लखन खण्डेलवाल के सोच से प्रेरित होकर श्मशान घाट (खिरगांव मुक्तिधाम) परिसर में 120 लीटर का वॉटर कूलर लगवाया है। वोल्टास कंपनी के इस वॉटर कूलर से जहां गर्म, ठंडा और नॉर्मल फ़िल्टर किया हुआ शुद्ध पेयजल मिलेगा उद्घाटन होते ही पहली बार इस प्याऊ का शुद्ध जल का सेवन वर्षों से शवों के अंत्येष्टि का कार्य करने वाले रामप्रसाद ने शीतल पेय पीकर किया। युवा कपड़ा व्यवसाई लखन खण्डेलवाल ने बताया की पानी पिलाना सबसे पुनीत कार्य माना गया है और जब मैं अपनी दादी का शव लेकर श्मशान घाट आया था तभी मेरे अंदर ये सोच जागी थी की घाट आनेवाले लोगों की सेवा में शुद्ध पेयजल का इंतजाम कराऊंगा। ऐसे भी अमूमन बचपन से देखता रहा हूं कि जब भी लोग घाट पहुंचते हैं तो यहां पहुंचने से पूर्व पीने का पानी के जुगाड़ में लग जाते हैं। जो सक्षम लोग होते हैं वह तो मिनरल वाटर का बोतल ले आते हैं लेकिन जरूरतमंद लोग कईबार चापानल का पानी पीने को मजबूर होते है। ऐसे जरूरतमंदों के लिए यह प्याऊ संजीवनी का काम करेगा और उन्हें दुःख के समय में राहत पंहुचाएगा। हर्ष अजमेरा समेत अन्य सभी उपस्थित लोगों ने लखन खण्डेलवाल के इस मानवीय पहल की खूब सराहना की ।

लम्पी वायरस से पीड़ित गोवंश घूम रहे हैं हाइवे व चौराहों पर, प्रशासन बेखबर, आइसोलेशन सेंटर चल रहे हैं कागजों में

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद। लम्पी वायरस दिनों दिन भयानक रूप लेता जा रहा है क्षेत्र में 80त से अधिक गोवंश लम्पी वायरस से पीड़ित हैं जो हाईवे के किनारे, बीच रोड पर, चौराहों पर, नगर में कई स्थानों पर कहीं भी देखे जा सकते हैं प्रशासन झूठे आंकड़े देकर गुमराह करने में लगा हुआ है। मात्र कुछ समाजसेवी ही गायों की देखरेख में लगे हुए हैं प्रशासन की ओर से चाहे नगरपालिका हो या पंचायतें पीड़ित गायों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। पीड़ित गायों को भटकने के लिए रोड पर छोड़ दिया जाता है उनके लिए टीके एवं चारा की व्यवस्था प्रशासन के द्वारा नहीं की जा रही है कई स्थानों पर तो पीड़ित गाय दुर्घटना का शिकार हो रही है जिससे उनकी मृत्यु भी हो जाती है यहां बता दें कि भिंड ग्वालियर हाईवे के किनारे कई स्थानों पर लम्पी वायरस से पीड़ित गाय देखी जा सकती हैं इसी प्रकार कई चौराहों व मुख्य मार्गों पर गायों के झुंड के झुंड बैठे हुए देखे जा सकते हैं जिनमें अधिकांश गायें लम्पी वायरस से पीड़ित हैं।

वर्जन-1

नगर की गायों को रात में एकत्रित कर टॉर्च से देख देख कर वायरस से पीड़ित गाय को गौशाला में बने आइसोलेशन सेंटर में भेजा जाता है अभी भी आधा सैकड़ा से अधिक गाय आइसोलेशन सेंटर में मौजूद हैं

सतीश कुमार दुबे मुख्य नगरपालिका अधिकारी गोहद

वर्जन 2

जहां-जहां लम्पी वायरस से गायों की पीड़ित होने की सूचना मिल रही है वहां से आइसोलेशन सेंटर में गायों को भेजा जा रहा है यदि कहीं पर किसी को भी वायरस से पीड़ित गाय दिखती है तो सूचना मिलने पर पकड़वा कर सुलेशन सेंटर में भेजा जाता है।

दिनेश कुमार शाक्य मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहद

वर्जन -3

कम संसाधन एवं मात्र हम दो लोगों के स्टाफ के साथ पूरी क्षमता से कार्य कर रहे हैं आवारा गायों का पहले ही टीकाकरण हो चुका है फिर भी रोग आ रहा है परंतु टीकाकरण होने से वह जल्दी ठीक भी हो रहीं हैं। **डॉक्टर अरविंद शर्मा पशु चिकित्सक गोहद**

संघर्ष की प्रतिमूर्ति थे दशरथ सिंह, राम भूषण महाराज

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद। संसार एक मृत्युलोक है जीवन और मृत्यु प्राकृतिक घटना है हमें पितरों के लिए स्टेव कार्य करना चाहिए जिससे हमारे पूर्वजों की आत्मा हमें आशीर्वाद प्रदान करती है जिससे हमें किए जाने वाले कार्यों में सफलता मिलती है इसलिए हमें सदैव पितरों की आत्मा शांति के लिए कार्य करते रहना चाहिए. गोहद के कर्मठ नेता दशरथ सिंह संघर्ष की प्रतिमूर्ति थे उनके द्वारा क्षेत्र के लोगो के हित में किया गया संघर्ष लोगों की जुबा पर है उक्त उदगार महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 रामभूषण दास जी महाराज खनेता धाम ने गोहद विपणन सहकारी संस्था मर्यादित गोहद पूर्व अध्यक्ष, पूर्व सदस्य कार्य परिषद जीवाजी विश्विद्यालय ग्वालियर दशरथ सिंह गुर्जर की द्वितीय पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर व श्रद्धांजलि सभा में दिया।

नगर के गोहदी दरवाजा रोड स्थित ओ.आई.सी.ई. कॉलेज पर दशरथ सिंह गुर्जर की द्वितीय पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में ग्वालियर चम्बल सम्भाग के विभिन्न शहरों से उपस्थित हुए विभिन्न राजनीतिक दलों के एवं समाजसेवियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए हैं।

यहां दशरथ सिंह के पुत्र पार्षद शैलेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि मेरे पिता के देहांत के बाद आप सभी मेरा परिवार है मुझे आप सबके आशीर्वाद व स्नेह की सदैव आवश्यकता है में पिता के पदचिन्हों पर चलकर हर दुखी व्यक्ति के काम आ सकू ऐसी ईश्वर से कामना है श्रद्धांजलि सभा को लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम सुंदर सिंह यादव, कॉपरेटिव बैंक के पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम सुंदर सिंह जादौन, पूर्व विधायक नीतू सिकरवार, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रेमनारायण माहोर, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष भगवती प्रसाद शर्मा, ब्रह्माकुमारी आश्रम से बीके रुकमणी, राजेन्द्र सिंह

गुर्जर, ओपी आर्य, रमेश गुप्ता, विष्णु शर्मा, राजेश शर्मा, आदि ने अपने अपने विचार प्रकट कर सम्बोधित किया। द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर स्वर्गीय दशरथ सिंह गुर्जर को उनके निवास स्थान पहुंचकर ग्वालियर चंबल संभाग से आए उनके कई साथी व नगर के सैकड़ों लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

रक्तदान मे भारी उत्साह

स्वर्गीय दशरथ सिह जी की द्वतीय पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर में युवाओं में काफी उत्साह देखने को मिला यहाँ चार घण्टे में 60 लोगो ने रक्तदान कर पुनीत कार्य किया यहाँ पिता पुत्र ने एक साथ रक्तदान किया नगर के व्यवसायी राजू अग्रवाल के परिवार के पांच सदस्यों ने रक्तदान किया जिसमें मनीष अग्रवाल एव उनके पुत्र कबीर अग्रवाल ने रक्तदान किया यहाँ रक्तदान करने वालो को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। रक्तदान शिविर में जेपी अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, रिझन उर्फ बंटी राईन गोरे गुप्ता, राजू अग्रवाल, नीलेश अग्रवाल, सतीश गुप्ता आदि ने अपना अपना योगदान दिया।

इन्होंने किया रक्तदान

रक्तदान दाताओं में प्रमुख रूप से भानु गुर्जर, संजू तोमर, गुलाब सिंह गुर्जर, सलभान सिंह गुर्जर, विकास बंसल, गिरिज मित्तल, मनीष अग्रवाल, नीलेश अग्रवाल, नरोत्तम माहौर सहित लगभग 60 लोगों ने रक्तदान किया।

शाशकीय अस्पताल में फल वितरित

स्वर्गीय दशरथ सिह गुर्जर के द्वतीय पुण्य तिथि पर शासकीय अस्पताल गोहद में उनके पुत्र शैलेंद्र दशरथ सिंह गुर्जर के द्वारा मरीजों को फल वितरित किये गए। इस दौरान उनके साथ दशरथ सिंह गुर्जर के तमाम पुराने साथी उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने निकाली भारत जोड़ो सह यात्रा

देश की एकता, अखण्डता के लिये की जा रही भारत जोड़ो पद यात्राः भारती

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर-दतिया। कांग्रेस से वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक भारती जी से प्राप्त जानकारी अनुसार मान्नीय श्री राहुल गांधी द्वारा

नफरत एवं हिंसा को खत्म करने एवं सद्भावना एवं सहयोग की सद्भाव, देश की एकता, अखण्डता के लिये की जा रही भारत जोड़ो पद यात्रा के परिपेक्ष्य में दतिया जिला में भी कांग्रेसजनों द्वारा भारत जोड़ो सह यात्रा मान. श्री राहुल गांधी के समर्थन में दिनांक 15 अक्टूबर 2022 को दतिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खिरिया से प्रारंभ होकर ग्राम सिजोरा, घूघसी, हिडोरा, ऐरई, भदूमरा, पिटसूरा होते हुये बड़ौनी में डी.जे. के साथ नारेबाजी करते हुये स्व. श्री भगवानदास माहौर स्वतंत्रता सैनानी के स्टेचू पर आकर आम सभा के रुप में सम्पन्न किया गया।

गृह मंत्री के साथ मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश के गृह मंत्री भी आए

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का ग्वालियर विमानतल पर आत्मीय स्वागत

ग्वालियर। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह विशेष विमान से राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल ग्वालियर पधारे। ग्वालियर में नए विमानतल के निर्माण के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होने आए केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के साथ भोपाल से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री वी डी शर्मा, मध्यप्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र भी उनके साथ पधारे। ग्वालियर विमानतल पर केन्द्रीय गृह मंत्री का आत्मीय स्वागत हुआ।

ग्वालियर विमानतल पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह को पुष्प-गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त श्री दीपक सिंह, एडीजी श्री डी श्रीनिवास वर्मा, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी ने अगवानी की।

थोड़ी देर रूकने के पश्चात केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं केन्द्रीय मंत्रिगण विमानतल के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होने हेतु रवाना हुए।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह ने 'गाथा स्वराज की' प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

जयविलास पैलेस स्थित म्यूज़ियम का भी किया अवलोकन

ग्वालियर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने रविवार को जयविलास पैलेस स्थित म्यूज़ियम में «गाथा स्वराज की» प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री वी.डी शर्मा, मध्यप्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, श्री हितानंद शर्मा सहित ग्वालियर संभाग आयुक्त श्री दीपक सिंह, ग्वालियर कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह , वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, आयुक्त नगर निगम श्री किशोर कान्याल उपस्थित रहे। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने जय विलास पैलेस स्थित म्यूज़ियम मंज «गाथा स्वराज की» प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया। प्रदर्शनी में देश के प्रमुख मराठा शासक सिंधिया, गायकवाड़, होल्कर, नेवालकर, भौंसले और पंवार जैसे तीस मराठा रियासतों के बारे में उल्लेख किया गया है। उद्घाटन के पश्चात केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने म्यूज़ियम का अवलोकन किया। उन्होंने यहाँ दरबार हॉल देख-कर उसकी तारीफ़ की। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने जयविलास पैलेस स्थित म्यूज़ियम का अवलोकन करने के पश्चात विजिटर बुक में अपना संदेश लिखा। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के जयविलास पैलेस पहुँचने पर उनकी अगवानी केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की पत्नी श्रीमती प्रियदर्शनी राजे सिंधिया ने की ।

ग्वालियर क्राईम ब्रांच ने "नशामुक्ति" अभियान के तहत अवैध शराब एवं अवैध मादक पदार्थ की बिक्री करने वाले तीन तस्करों को किया गिरफ्तार

तस्करों के पास से 62 क्वॉर्टर देषी शराब सहित 01 किलो 200 ग्राम गांजा किया जप्त

ग्वालियर। ग्वालियर पुलिस द्वारा ''नशामुक्ति'' अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसेके निर्देष पर अवैध शराब, अवैध मादक पदार्थ की खरीद फरोख्त करने वालों के विरूद्ध लगातार कार्यवाहियां की जा रही है। इसी दौरान अति0 पुलिस अधीक्षक शहर-पूर्व/अपराध श्री राजेष डण्डोतिया के निर्देष पर ग्वालियर क्राईम ब्रांच द्वारा ग्वालियर जिले के तीन स्थानों पर कार्यवाहियां की गई।

ग्वालियर क्राईम ब्रांच ने एएसपी शहर-पूर्व/अपराध के निर्देषों के परिपालन व सीएसपी विष्वविद्यालय श्री रवेष सिंह तोमर के मार्गदर्षन में कार्यवाही करते हुए थाना विष्वविद्यालय क्षेत्रांतर्गत महलगांव मस्जिद के पास से एक शराब तस्कर को 40 क्वॉटर अवैध देषी शराबके साथ धरदबोचा।पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये तस्कर के विरूद्ध थाना विष्वविद्यालय में आबकारी एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर उससे अवैध शराब के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

''नषामुक्ति'' अभियान के तहत की गई इस कार्यवाही में थाना प्रभारी विष्वविद्यालय निरी0 मनीष धाकड़, प्रभारी क्राईम ब्रांच उनि0 नरेन्द्र सिसोदिया, सउनि0 दिनेष सिंह तोमर, प्रआर0 मनोज एस0, आर0 राहुल सिंह यादव, पवन झा, सोनू परिहार, देवव्रत तोमर एवं म0आर0 सक्षम दुबे की सराहनीय भूमिका रही।

एक अन्य कार्यवाही में थाना विष्वविद्यालय क्षेत्रांतर्गत बिजलीघर के पास, सरकारी मल्टी, सिंधिया नगर से एक शराब तस्कर को22 क्वॉटर अवैध देषी शराबके साथ धरदबोचा। पुलिस टीम द्वारा उक्त तस्कर के विरूद्ध थाना विष्वविद्यालय में आबकारी एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर उससे अवैध शराब के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

''नषामुक्ति'' अभियान के तहत की गई इस कार्यवाही में थाना प्रभारी विष्वविद्यालय निरी0 मनीष धाकड़, प्रभारी क्राईम ब्रांच उनि0 नरेन्द्र सिसोदिया, सउनि0 दिनेष सिंह तोमर, प्रआर0 मनोज एस0, आर0 राहुल सिंह यादव, पवन झा, सोनू परिहार, देवव्रत तोमर एवं म0आर0 सक्षम दुबे की सराहनीय भूमिका रही।

एक अन्य कार्यवाही में थाना विष्वविद्यालय क्षेत्रांतर्गत बिजलीघर के पास, सरकारी मल्टी, सिंधिया नगर से एक शराब तस्कर को22 क्वॉटर अवैध देषी शराबके साथ धरदबोचा। पुलिस टीम द्वारा उक्त तस्कर के विरूद्ध थाना विष्वविद्यालय में आबकारी एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर उससे अवैध शराब के संबंध में पूछताछ की जा रही है। ''नषामुक्ति'' अभियान के तहत की गई इस कार्यवाही में थाना प्रभारी बहोड़ापुर निरी0 संतोष यादव, सउनि0 फिरोज खान, अषोक, प्रआर0 रामनरेष गुर्जर, रूस्तम, जसविंदर, विनोद एवं क्राईम ब्रांच के उनि0 राहुल अहिरवार, प्रआर0 विकास बाबू, अनिल गुप्ता, आर0 रणवीर शर्मा, सुमित शर्मा, जितेन्द्र की सराहनीय भूमिका रही।

वार्ड 26 में विधायक डॉ. सिकरवार के नेतृत्व में चला सफाई अभियान

ग्वालियर। ग्वालियर पूर्व से कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में आज वार्ड क्र. 26 में घासमण्डी एवं हरिजन बस्ती क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान नालियां साफ कराई गई और जगह-जगह लगे कचरे के ढेर उठवाये गये। सफाई अभियान में पांच ट्रॉली मलवा उठवाया गया। क्षेत्र के नागरिकों ने विधायक डॉ सिकरवार का इस दौरान पुष्पहारों से स्वागत किया।

नगर निगम के वार्ड क्रमांक 26 में कांग्रेस कार्यकर्ता और सफाई अमला घासमण्डी मुरार में एकत्रित हुआ, वहां से घासमण्डी एवं हरिजन बस्ती क्षेत्र में सफाई कार्य कराया गया। सफाई अभियान के दौरान डॉ. सिकरवार ने कहा कि सफाई अभियान में आप सब सहयोग करें और कचरा सड़कों पर न डालें। सफाई अभियान में मेयर इन कॉउंसिल के प्रभारी अवधेश कौरव, सुरेन्द्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, पार्षद अंकित कठरेल, पार्षद प्रमोद खरे, जसवंत सेजवार, बृजेश शुक्ला, रूपेश दुबे, अनिल शर्मा, राहुल गुर्जर, प्रतीक जैन, सौरभ जैन, डॉ. कमलेश इंदौरिया, गोपाल राठौर, विकास उपाध्याय, अलाउद्दीन खान समेत तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

घरों में ही रही मटमैले पानी की आपूर्ति, पीएचई अधिकारी नहीं कर पा रहे निराकरण

ग्वालियर। तिघरा जलाशय के गेट खुलने पर गंदा पानी आने और प्लांट में ठीक से फिल्टर न होने पाने का बहाना बना रहे पीएचई के अधिकारी समाह भर बाद ही घरों में हो रही मटमैले पानी की समस्या का निराकरण नहीं कर पा रहे हैं। पिछले एक समाह से घरों में मटमैले पानी की आपूर्ति हो रही है। एक-दो दिन तक तो लोगों ने जैसे-तैसे दूसरी व्यवस्थाएं कर काम चलाया, लेकिन अब इतने दिनों तक लगातार मटमैले पानी से उनके सब्र का बांध भी टूट रहा है। अमृत योजना में 730 करोड़ रुपए खर्च करने के बाद नगर निगम के लाख दावों के बावजूद लोग साफ पानी के लिए पिछले एक समाह से तरस रहे हैं। शहर के कई इलाकों में मटमैले पानी की आपूर्ति की जा रही है। सबसे अधिक ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र की कालोनियां प्रभावित हो रही हैं, क्योंकि यहां अधिक मटमैला पानी आ रहा है। इसके अलावा सिटी सेंटर, गोविंदपुरी, अनुपम नगर, सरस्वती नगर जैसे कई इलाकों में कम दबाव से पानी की आपूर्ति की जा रही है। उपनगर ग्वालियर क्षेत्र के हजीरा, सुभाष नगर, गोसपुरा नंबर एक, दो, पीएचई कालोनी, गदाईपुरा, सेवा नगर आदि इलाकों में सुबह नलों में मटमैले पानी की आपूर्ति हो रही है। मटमैला पानी आने से अधिकतर लोग टैंकरों और निगम की बोरिंग से पानी भरकर काम चला रहे हैं। यह स्थिति तब है, जबकि पीएचई के अधिकारियों का दावा है कि शुक्रवार को जलालपुर स्थित 160 एमएलडी के वाटर फिल्ट्रेशन प्लांट की साफ-सफाई कराई थी। अभी तक अधिकारियों का तर्क था कि तिघरा डेम के गेट खुलने से गंदा पानी प्लांट तक पहुंच रहा है। इसी के चलते प्लांट के दो फिल्टर शुक्रवार को साफ किए गए थे। इसके चलते कई इलाकों में पानी की आपूर्ति भी नहीं की गई और अब पानी आ भी रहा है, तो उसमें मिट्टी मिली हुई आ रही है।

गुणवान व्यक्ति हमेशा पूज्यता को प्राप्त होता है: मुनिश्री

जैन समाज के लोगों विधान में भक्ति नृत्य के साथ महाआर्घ्य समर्पित कर रहे है

ग्वालियर। अच्छाइयों को जीवन मे पढने के साथ साथ आचरण मे उतारना भी जरुरी है। केवल पढने मात्र से नहीं, आचरण मे उतारने से अच्छे गुणों का संग्रह व जीवन गुणग्राही बनेगा। मनुष्य को उन्नत बनने के लिए गुणों की प्राप्ति करते रहना चाहिए। गुणों की प्राप्ति की कोई उम्र बंधन नहीं होता। हर उम्र में गुणों का संचय करके गुणवान बना जा सकता है। जगत में देखा जाता है कि गुणवान व्यक्ति हमेशा पूज्यता को प्राप्त होता है। गुण वानों से सभी जुड़ना चाहते है, उनसे मित्रता बढ़ाते है। यह बात श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने साधनामय वर्षयोग समिति एवं मुख्य संयोजक मनोज जैन, जैन कालेज के संयुक्त तत्वावधान में आज रविवार को सोलह दिवसीय शांतिनाथ महामंडल विधान में माधवगंज स्थित चातुर्मास स्थल अशियाना भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही। मुनिश्री ने कहा कि संतों का जीवन त्याग व तपस्या से अलंकृत होता है। इसलिए संत जगत में पूज्यनीय व संसार के लिए आदर्श होते है। यदि बालक का बचपन संस्कारवान होगा व नैतिक संस्कारी गुणों से भरा होगा, तो नियम से वहीं बालक बड़ा होकर आगे चलकर अपने गुणों की सुगंधी सर्वत्र बिखेरता हुआ राष्ट्र का सुंदर निर्माण करेगा व शांति स्थापित करेगा।

शांतिनाथ विधान में जिनेंद्र भगवान का अभिषेक के साथ उतारी दीपकों से महाआरती

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि श्रमण मुनिश्री विनय सागर जी महाराज के सानिध्य में 16 दिवसीय श्री 1008 शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन रोग, शोक, भय, पीड़ा,आदिव्याधि व विश्व में सुख शांति और समृद्धि के लिए श्री विधान के विद्वान ज्योतिषाचार्य हुकुमचंद जैन ने मंत्रो के साथ श्रावकों ने भगवान जिनेंद्र का अभिषेक किया।

80 विकलांगों को निशुल्क 125 दिव्यांग मॉड्यूलर कृत्रिम अंग किए वितरण

ग्वालियर। ऐसे विकलांग जवान बच्चे जिनके हाथ,पैर नहीं थे। 80 साल के बुजुर्ग जो गोदी में आए थे। वह कृत्रिम अंगों के लगने के बाद चल कर गए। यह देखकर दिल को सुकून मिला। यह बात निवर्तमान डिस्ट्रिक्ट चेयर पर्सन लायंस रजनी दीपक अग्रवाल ने कैंसर हॉस्पिटल में आयोजित नारायण सेवा संस्थान उदयपुर एवं लायंस क्लब ग्वालियर आस्था के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क दिव्यांग मॉड्यूलर कृत्रिम अंग वितरण शिविर में कहीं। श्रीमती अग्रवाल ने कहा मानव सेवा में आज एक छोटा सा योगदान दे पायी उसके लिए ईश्वर का धन्यवाद देती हूं। जिसने मुझे इस लायक बनाया। शिविर में 80 विकलांगों को 125 निशुल्क दिव्यांग मॉड्यूलर कृत्रिम अंग वितरण किये गये।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478